डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -56 | प्रयागराज, सोमवार 01 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

खेलः सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार दूसरी...

सिनेमाः मैं अपने अहम या गरूर को...

संक्षिप्त समाचार

मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी भी दोषी करार, 4 साल की सजा और एक लाख का जुर्माना लगा

नई दिल्ली। गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज 2007 के एक मामले में मुख्तार अंसारी को शनिवार को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। गाजीपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने गैंगस्टर-राजनीतिज्ञ को 5 लाख रुपये जुर्माना भरने का भी आदेश दिया है। उनके बड़े भाई और शहर के बसपा सांसद अफजाल अंसारी को भी दोषी ठहराया गया था और चार साल की सजा सुनाई है। अफजाल अंसारी पर एक लाख का जुर्माना भी लगा है। अफजल के लिए फैसला बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सजा का मतलब लोकसभा सीट हारना है। इससे पहले दिन में अंसारी बंधुओं के खिलाफ अपहरण और हत्या के एक मामले में फैसला सुनाने के लिए गाजीपुर अदालत के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक के अनुसार, मुख्तार पर कोयला व्यवसायी और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी नंदकिशोर रुंगटा के 1996 के अपहरण मामले और 2005 के भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड में शामिल होने के लिए मामला दर्ज किया गया था।

मेकअप बना मौत की वजह! पति ने महिला को ब्यूटी पार्लर जाने से रोका, पत्नी ने लगा ली फांसी

नई दिल्ली। लोगों की सहन शक्ति इस कदर कम हो गयी है कि मामूली बातों पर भी लोग जान देने और जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर से एक ऐसी ही घटना सामने आयी हैं जहां एक पति ने अपनी पत्नी को ब्यूटी पार्लर ने रोल दिया तो महिला ने अपने आप को मौत के हवाले कर दिया। उसने घर कें अंदर पंखे से लटककर जान दे दी। पति द्वारा ब्यूटी पार्लर जाने से रोकने पर इंदौर में एक महिला ने पंखे से लटक कर जान दे दी। सब इंस्पेक्टर उमाशंकर यादव ने बताया कि पीड़िता की पहचान रीना यादव (34) के रूप में हुई है, जिसने गुरुवार को शहर के स्कीम नंबर 51 इलाके में अपने घर में फांसी लगा ली। सब इंस्पेक्टर उमाशंकर यादव ने कहा, 'उसके पति ने हमें बताया है कि उसने उसे ब्यूटी पार्लर जाने से रोका और उसने गुस्से में पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली।

कांग्रेस और उनके नेताओं ने मुझे 91 बार अलग-अलग तरह की गालियां दीः पीएम मोदी

हुमनाबाद (कर्नाटक)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की 'जहरीला सांप' वाली टिप्पणी को लेकर पार्टी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं ने अब तक 91 बार उन्हें अलग-अलग तरह की गालियां दी हैं। कांग्रेस पर कर्नाटक में लिंगायत समुदाय का अपमान करने का भी आरोप लगाते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी ने बाबासाहेब आंबेडकर और वीर सावरकर को भी अपशब्द कहे हैं।

कर्नाटक में 29 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के बाद पहली बार प्रचार के लिए राज्य के दौरे पर आए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि लोग उसकी गालियों का वोटों से जवाब देंगे और वे (कांग्रेस नेता) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जितना कीचड़ उछालेंगे, उतना ही कमल खिलेगा। मोदी ने कहा, "कांग्रेस आम आदमी के बारे में बात करने वाले, उनके (कांग्रेस के) भ्रष्टाचार को सामने लाने वाले और उसकी स्वार्थ की राजनीति पर वार करने वाले हर व्यक्ति से नफरत करती है। ऐसे लोगों के खिलाफ कांग्रेस की नफरत गहरी होती जाती है। इस चुनाव

में भी कांग्रेस ने फिर से मुझे गालियां देने का काम शुरू कर दिया है।"

बीदर जिले के हुमनाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "किसी ने मेरे खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे इस तरह के अपशब्दों की सूची बनाई और मुझे भेजा। अभी तक कांग्रेस के लोग मुझे 91 बार अलग-अलग तरह की गालियां दे चुके हैं। अगर कांग्रेस ने अपशब्दों के इस शब्दकोष पर समय व्यर्थ करने के बजाय सुशासन और अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने पर ध्यान दिया होता, तो उसकी इतनी दयनीय स्थिति नहीं होती।" उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री मोदी की तुलना जहरीले सांप से की थी। हालांकि, विवाद पैदा होने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ थी। मोदी ने कहा, "गरीबों और देश के लिए काम करने वालों का अपमान करना कांग्रेस का इतिहास रहा है। मैं इकलौता नहीं हूं, जिस पर इस तरह का हमला किया गया है। पिछले चुनाव में उन्होंने 'चौकीदार चोर है' अभियान चलाया था, फिर उन्होंने कहा 'मोदी चोर' है, फिर उन्होंने कहा 'ओबीसी समुदाय चोर' है और अब कर्नाटक में चुनाव प्रचार शुरू होते ही उन्होंने मेरे लिंगायत भाइयों और बहनों को चोर कहने की हिम्मत दिखाई है।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस के नेता कान खोलकर सुनें, जब भी आपने किसी को अपशब्द कहे हैं, उन्होंने (मतदाताओं ने) आपको इस तरह से दंड दिया है कि आप उसे सहन नहीं कर पाए। इस बार कर्नाटक के लोगों ने अपशब्दों और उनके गौरव को पहुंचाई गई क्षति का वोटों के जरिये जवाब देने का फैसला किया है।" मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने उन्हें अपशब्द कहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसी पार्टी है, जिसने बाबासाहेब आंबेडकर को भी अपशब्द कहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा, "बाबासाहेब आंबेडकर ने एक बार खुद कहा था कि कांग्रेस ने बार-बार उन्हें अपशब्द कहे।

कांग्रेस ने बाबासाहेब आंबेडकर को 'राक्षस', 'राष्ट्रद्रोही', 'दगाबाज दोस्त' कहा था... आप सुनकर हैरान रह जाएंगे। आज भी हम देखते हैं कि कांग्रेस कैसे वीर सावरकर को अपशब्द कहती है। कांग्रेस ने इस देश के दिग्गज नेताओं को अपशब्द कहे हैं।" मोदी ने कहा, "इसे देखते हुए मुझे लगता है कि कांग्रेस मेरा सम्मान करती है, जैसा कि उसने बाबासाहेब आंबडेकर और वीर सावरकर का किया, क्योंकि कांग्रेस उसी तरह से मुझे भी अपशब्द कहती है। मैं इसे अपने लिए उपहार के तौर पर मानता हूं।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस को मेरे लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करने दीजिए, मैं देश और उसके लोगों के लिए काम करना जारी रखूंगा। आपके आशीर्वाद से उनके सभी अपशब्द मिट्टी में मिल जाएंगे। कांग्रेस के लोग समझ लें कि आप हम पर जितना कीचड़ उछालेंगे, उतना ही कमल खिलेगा।" कर्नाटक में लोगों से मजबूत और पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने की अपील करते हुए मोदी ने राज्य के लिए एक नया चुनावी नारा दिया।

'पीएम मोदी जितनी कोशिश कर लें, केजरीवाल का काम नहीं रोक पाएंगे'

न्यायिक हिरासत बढ़ने के बाद सिसोदिया बोले

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में आप नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 8 मई तक बढ़ा दी है। मनीष सिसोदिया को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे आबकारी मामले में उनकी न्यायिक हिरासत की समाप्ति पर राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया

था। न्यायिक हिरासत बढ़ने के बाद सिसोदिया से पत्रकारों ने सवाल भी पूछा। सवालों के जवाब में सिसोदिया ने कहा कि मोदी जी चाहे जितनी कोशिश कर लें, लेकिन दिल्ली में केजरीवाल जी का काम नहीं रोक पाएंगे। ईडी द्वारा जांच की जा रही आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत आज 8 मई तक बढ़ा दी गई। इससे पहले दिल्ली की अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी और कहा कि साक्ष्य प्रथम दृष्टया "अपराध में किस हद तक उनकी संलिप्तता है, इस ओर इशारा करते हैं।" विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने सिसोदिया को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष धनशोधन के कथित अपराध में सिसोदिया की संलिप्तता को लेकर एक वास्तविक और प्रथम दृष्टया मामला दिखाने में सक्षम रहा है। अदालत ने "गंभीर प्रकृति के आरोपों और आपराधिक साजिश में सिसोदिया द्वारा निभाई गई भूमिका, अपराध की आय के सृजन और इस्तेमाल आदि से संबंधित गतिविधियों में उनकी संलिप्तता" को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया।

दुश्मनों को मात देने के लिए तैयार भारत की पांच बेटियां

भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में हुईं शामिल

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने महिला अधिकारियों को आर्टिलरी रेजिमेंट में अनुमति देकर महिलाओं की भूमिका का विस्तार किया है।

महिला अधिकारियों के पहले बैच को भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल किया गया। चेन्नई के अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ध्ळैं) में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 5 महिला अधिकारी आज आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल हुईं हैं। आर्टिलरी की रेजिमेंट में कमीशन की जा रही पांच महिला अधिकारियों (डब्ल्यूओ) को उनके पुरुष समकक्षों (19 पुरुष अधिकारियों को भी आर्टिलरी में कमीशन किया जाता है) के समान अवसर और चुनौतियां प्रदान की जा रही हैं। इन युवा महिला अधिकारियों को सभी प्रकार की आर्टिलरी इकाइयों में तैनात किया जा रहा है, जहां उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रॉकेट, मीडियम, फील्ड और सर्विलांस एंड टारगेट एक्विजिशन (ऐंऊैं) और उपकरणों को संभालने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण और एक्सपोजर मिलेगा। उ3 आर्टिलरी आदोष कुमार ने बताया कि रेजीमेंट आर्टिलरी के लिए महिला अधिकारियों का हमारे साथ स्वागत करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा है और यकीन है कि वे भविष्य में कमांड आर्टिलरी यूनिट सहित अपने संबंधित भविष्य में बहुत अच्छा कार्य करेंगी। लेफ्टिनेंट रेखा सिंह ने बताया कि मेरे पति के शहीद होने के बाद मैंने आर्मी में शामिल होने का फैसला लिया। आज मेरा प्रशिक्षण पूरा हो गया है और मैं लेफ्टिनेंट बन गई हूं। मैं अन्य महिला उम्मीदवारों को यही कहना चाहूंगी कि आप स्वयं में विश्वास रखिए और जो करना चाहती हैं उसके लिए कदम उठाइए। लेफ्टिनेंट महक सैन ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है।

राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शुरू

अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। इस बैठक के दौरान राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय, ट्रस्ट के पदाधिकारी और लार्सन एंड टुब्रो के इंजीनियर मूल गर्भगृह में रामलला की मूर्ति स्थापित करने की तिथि तय करने के लिए मंथन सत्र में भाग ले रहे हैं। बैठक में इसके अलावा भगवान राम की नयी मूर्ति की नक्काशी पर भी चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट की प्राथमिकता राम मंदिर के मूल गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति स्थापित करने की तारीख तय करना है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अभी तारीख तय नहीं हुई है। सूत्रों ने बताया कि मई महीने के अंतिम सप्ताह में ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मदिन के अवसर पर वास्तविक तिथि की घोषणा की जा सकती है। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने कहा कि वह समय हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा और माना जा रहा है कि इस मौके पर आपसी राय के बाद ट्रस्ट रामलला की मूर्ति स्थापना की तारीख की घोषणा कर सकता है।

कार में बैठते समय बिगड़ा सिद्धारमैया का संतुलन, ट्वीट कर कहा- घबराने की कोई बात नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष के नेता सिद्धारमैया शनिवार को विजयनगर जिले के कुदलागी में अपनी कार में बैठने के दौरान दरवाजे के पास पीछे की ओर गिरते नजर आएं। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. एनटी श्रीनिवास थे। हेलीकॉप्टर से उतरकर मोबाइल फोन में व्यस्त कांग्रेस नेता सिद्धारमैया कार के पास पहुंचे। बाद में जब वह कार में बैठने ही वाला था कि दरवाजे के पास गिर पड़े। वहां मौजूद उनके अंगरक्षक तुरंत उनकी सहायता के लिए पहुंचे और उन्हें अपने हाथ से उठा लिया। फिर डॉक्टर ने उसे कार की सीट पर बिठाया और गुक्लोस दिया। गुक्लोस पीकर ठीक होने के बाद सिद्धारमैया ने फिर लोगों का अभिवादन किया। चुनाव प्रचार में व्यस्त पूर्व सीएम सिद्धारमैया कुछ थके हुए लग रहे थे।

घटना के बाद सिद्धारमैया ने एक ट्वीट कर अपना हाल बताया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि घबराने की कोई बात नहीं, मैं मजबूत हूं। मैं बिना साइड स्टेप वाली कार में फिसल गया और पीछे की ओर फिसल गया क्योंकि जिस कार में मैं सवारी करता था वह बदल गई है। मैं अब सहज हूं। मीडिया मित्रों से अनुरोध है कि इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर लोगों को

न घबराएं। आपको बता दें कि कर्नाटक में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस बनाम भाजपा है। दोनों ओर से प्रचार चरम पर है। कांग्रेस की ओर से सिद्धारमैया लगातार पार्टी के लिए राज्य में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसके अलावा वह खुद भी चुनावी मैदान में हैं।

इससे पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया घोषणा कर चुके है कि यह विधानसभा चुनाव एक उम्मीदवार के रूप में उनका अंतिम चुनाव होगा। उन्होंने वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और अपने गृह क्षेत्र में एक रैली को भी संबोधित किया। रैली में बोलते हुए, सिद्धारमैया ने कहा, 'इस विधानसभा चुनाव के बाद, मैं चुनावी राजनीति छोड़ दूंगा। वरुणा के लोग हमेशा मेरे साथ रहे हैं और उनके समर्थन के कारण मैं अपने राजनीतिक करियर में इस मुकाम पर पहुंचा हूं। यह मेरा आखिरी बार वरुण निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरने वाला होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष पर नरोत्तम मिश्रा का निशाना, कहा- खरगे जी इतना जहर कहां से लाते हैं, लगता है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान को राजनीति जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कर्नाटक चुनाव में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप बता दिया। अब इसी को भाजपा ने बड़ा मुद्दा बना लिया है। भाजपा जबरदस्त तरीके से कांग्रेस पर हमलवार है। इन सब के बीच मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का बयान सामने आया है। अपने बयान के जरिए नरोत्तम मिश्रा ने मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा है। भाजपा नेता ने कहा कि न जाने मल्लिकार्जुन खरगे इतना जहर कहां से लाते हैं। लगता है कि वह 10 जनपथ पर जाकर रिचार्ज करवाते हैं। दरअसल, नरोत्तम मिश्रा ने यह बयान जबलपुर में दिया है। अपने बयान में मिश्रा ने यह भी कहा कि अपने बयानबाजी की वजह से ही राहुल गांधी

को आज कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसी जहर भरी बातों के कारण दिग्विजय सिंह पर आरोप तय हुए है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को 'मौत का सौदागर' बताने का अंजाम गुजरात में सोनिया गांधी को भुगतना पड़ा और अब खरगे को भी बयान का खमियाजा कर्नाटक के चुनाव परिणाम से भुगतना पड़ेगा। मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता, संस्कृति और विचारधारा ही जहरीली है। उन्होंने कहा कि जनाधार विहीन कांग्रेस के नेता सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के 'जहरीले' बयान देते रहते हैं, जो आपत्तिजनक और निंदनीय हैं। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि भारत के मान को पूरे विश्व में बढ़ाने वाले आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर आज पूरा भारत गौरवान्वित होता है। उन्होंन कहा कि कांग्रेस की चुनावी घोषणाएं झूठ का पर्यायवाची बन चुकी हैं।

'कांग्रेस पर कोई विश्वास नहीं करता, उनकी गारंटी की वारंटी खत्म हो चुकी है', कर्नाटक में बोले जेपी नड्डा

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव को लेकर भाजपा जबरदस्त प्रचार कर रही है। पार्टी के तमाम बड़े नेता लगातार राज्य में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आज कर्नाटक के धारवाड़ ज़िले के कलाघटगी में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। अपने बयान में नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार सामान्य मानवी के विकास के लिए काम कर रही है। नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि में आपको पैसा भेजा लेकिन कुमारस्वामी ने सीएम रहते केवल 17 किसानों का नाम भेजा था। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक में जब सिद्दारमैया सरकार थी तब इन्होने आवास योजना पर ब्रेक लगा दी थी और जब हमारी सरकार आई तो लाखों गरीबों को आवास मिला।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि येदियुरप्पा जी ने 170 केस बनाए और 1,700 झ्झ्द के लोगों को जेल में डाला। उन्होंने कहा कि जब सिद्धारमैया की सरकार आई तो ये केस वापस लिए और इन 1,700 लोगों को बाहर निकाल दिया। फिर नरेंद्र मोदी ने ठोस आधार पर पीएफाई को बैन किया और फिर से केस लगाकर इनको जेल में डाल दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर आप चाहते हैं कि झ्झ्द पर बैन कायम रहे तो भाजपा को जिताइए। नड्डा ने कहा कि कर्नाटक के चुनाव में भाजपा को, डबल इंजन की सरकार को जनता आशीर्वाद देने के लिए आतुर है। कांग्रेस पार्टी पर कोई विश्वास नहीं करता और उनको मालूम है कि सत्ता के लिए इतने लालच में आ गए हैं कि हर तरह की गारंटी की बात करते हैं और चुनाव निकल जाने के बाद वो भूल जाते हैं इसलिए उनका इतिहास जगजाहिर है

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सभी जानते हैं कि कांग्रेस सत्ता पाने के लिए कितनी गारंटी दे रही है और लोग उन पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। उनकी गारंटी की वारंटी खत्म हो चुकी है। इससे पहले नड्डा ने कहा था कि जेडीएस को वोट डालने का मतलब है कांग्रेस को वोट देना और कांग्रेस को वोट देने का मतलब है झ्झ्द को वोट देना। ये सभी समाजविरोधी लोगों को समर्थन देने वाली पार्टियां हैं। इसलिए हमें वोट सोच-समझकर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के डीके शिवकुमार मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नंबर 1 आरोपी हैं। आय से अधिक संपत्ति के मामले में भी वे आरोपी नंबर 1 हैं। कांग्रेस के नेता या तो जेल में हैं या जमानत पर हैं!

सर्व जातीय कन्या सामूहिक विवाह सकुशल संपन्न

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज, त्रिवेणी संगम सेवा समिति, महेवा, प्रयागराज एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं सहित विशिष्टजनों के सहयोग से द्वादश कन्याओं का सामूहिक विवाह अत्यंत ही भव्यता एवं दिव्यता के साथ महेवा स्थित अतिथि गृह में संपन्न कराया गया!

कार्यक्रम की शुभारंभ द्वारचार से हुई, जिसमें मंच संचालक प्रदेश सचिव दिनेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष विनोद दुबे ने सभी 12 जोड़ियों का जयमाल करवाकर तत्पश्चात् मंत्रोच्चार के साथ फेरे दिलवाकर विवाह सम्पन्न करवाया।

वैवाहिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक पियूष रंजन निषाद ने बताया कि आज समाज में ऐसे सामूहिक आयोजनों की नितांत आवश्यकता है क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह उनके लिए वरदान सिद्ध होगा!

विशिष्ट अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामण्डलेश्वर कल्याणीनंद गिरि 'टीना माँ'

वरिष्ठ समाज सेवी डा0बी0के0 कश्यप, सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी संतोष कुमार तिवारी ने मंच संचालन करते हुए बताया कि, समाज में निर्धन व अक्षम परिवारों के बेटियों के सामूहिक विवाह के लिए हम सभी संकल्पित है और ऐसे आयोजन के माध्यम से अगले वर्षों में और अधिक बेटियों को सामूहिक विवाह के लिए आमंत्रित करेंगे, संस्था के सचिव एवं माँ गंगा की स्वच्छता हेतु संकल्पित कुंवर जी तिवारी ने बेटियों के विवाह के लिए और अधिक सहयोग करने का संकल्प लिया, मुख्य सहयोगी संस्था - सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल नैनी प्रयागराज द्वारा आए बरातियों का स्वागत एवं सत्कार किया गया। वैवाहिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध एवं जूही सेवा संस्थान की अध्यक्ष जूही श्रीवास्तव, वरिष्ठ सामाजिक चिंतक अवधेश निषाद,विजय रावत, बबिता जायसवाल, कामिनी गुप्ता, महेश प्रसाद केसरवानी,धीरज यादव, सहदेव चौरसिया,ऋषि दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री द्वारा देश की आम जनता से जुड़ने की अनूठी पहल है-मन की बात

संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कर दस विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

प्रयागराज। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 100वें एपिसोड को छात्र-छात्राओं तथा आमजन तक पहुंचाने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज द्वारा आज सरस्वती विद्या मंदिर विनोवा नगर नैनी में मन की बात रेडियो प्रसारण संगोष्ठी व्याख्यान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने मन से मन की बात रेडियो प्रसारण को सुना और सराहा।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थिति इंडियन नेवी के पूर्व मैनेजर बृजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि मन की बात प्रधानमंत्री द्वारा देश की आम जनता से जुड़ने की अनूठी पहल है। उन्होंने कहा कि कोई देश तभी उन्नति कर सकता है जब वहां की जनता अपनी बात देश के मुखिया तक और देश का मुखिया अपनी बात जनता तक आसानी से पहुंचा पाये। मन की बात कार्यक्रम इस दिशा में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जब मन की बात कार्यक्रम में इतने सरल शब्दो में बोलते हैं कि जनता पर उसका प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय संचार ब्यूरो प्रयागराज के उप निदेशक आरिफ हुसैन रिज़वी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन की बात माननीय प्रधानमंत्री द्वारा देश को सम्बोधित कार्यक्रम का नाम है जिसका पहला प्रसारण 3 अक्टूबर 2014 को किया गया था। नेहरू युवा केन्द्र के स्वयं सेवक निर्मलकांत पाण्डेय ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम आज बहुत ही लोकप्रिय बन गया है। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित इस कार्यक्रम के लगभग 23 करोड़ श्रोता हैं। कार्यक्रम को 22 भारतीय भाषाओं 29 बोलियों और 11 विदेशी भाषाओं में आमजन तक पहुंचाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय संचार ब्यूरो के वरिष्ठ सहायक राम मूरत द्वारा मन की बात पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संचालित की गयी। प्रतियोगिता के विजेता राजेश कुमार वर्मा खुशी गुप्ता पूजा पाल अमित कुमार अनुराग त्रिपाठी सोम पाण्डेय वर्षिता कुमारी प्रांजल मिश्र माधव सिंह व अलंकृता वर्मा को उप निदेशक व अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सना बानो रंजना मिश्रा रविन्द्र कुमार पटेल शिल्पा निषाद प्रमोद कुमार पाण्डेय अतुल गुप्ता अर्पित अग्रहरि आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

तीन अक्टूबर 2014 से शुरू हुए मन की बात का 100वा एपीसोड हुआ पूरा

आधुनिक समाचार

बारा प्रयागराज।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात के कार्यक्रम का ऐतिहासिक 100 वा एपीसोड को सम्बोधित करते हुए कहा की जिस विषय से जुड़ा, वो जन-आंदोलन बन गया और उसे जन-आंदोलन आप लोगों ने बनाया। जब मैंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ साझा मन की बात की थी। उसकी चर्चा पूरे विश्व में हुई थी। मन की बात मेरे लिए दूसरों के गुणों की पूजा करने के जैसा ही रहा है।

भाजपा जिला मंत्री यमुनापार कमलेश त्रिपाठी ने बताया कि मन की बात का ऐतिहासिक 100वा एपिसोड पूरा होने पर प्रधानमंत्री जी ने सौ का सिक्का लांच किया।

मन की बात का कार्यक्रम जसरा मंडल के लगभग सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने सुना जिसमें प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला, मंडल महामंत्री

नीरज केसरवानी, भूपेंद्र पाठक, ग्राम प्रधान जसरा आशीष सोनकर, अशोक तिवारी, राम केसरवानी, दीपचंद मोदनवाल, देवराज सिंह, बच्चा मालवी, आकाश केसरवानी, राजेश केसरवानी, रामायण प्रसाद, राहुल पाल सहित सैकड़ों लोगों ने सुना।

मन की बात सिर्फ़ एक कार्यक्रम नहीं, मेरे लिए आस्था-पूजा और व्रत है, प्रधानमंत्री मोदी मन की बात के 100वें कार्यक्रम पर

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुचर्चित मन की बात प्रोग्राम का आज 100वां एपिसोड पूरा हुआ। इसके चलते नोएडा में खास तैयारियां हुई।नोएडा स्टेडियम के सेक्टर 21 के इंडोर स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें क़रीब 8। हज़ार से ज़्यादा लोगों ने मन की बात को एक साथ सुना। इस कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा रहे। विशिष्ठ अथिति में नोएडा विधायक पंकज सिंह, ज़िला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, नोएडा भाजपा ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता और महिला आयोग अध्यक्षा विमला बाथम रहे। कार्यक्रम में कई संस्थानों से भी लोगों ने शिरकत जिसमें फ़ोनरवा, कोनारवा, एनईए, हैंडलूम एसोसिएशन, डॉक्टर्स, प्रोफ़ेशनल्स, पूर्व सैनिक, रिटायर्ड अधिकारी, समाज सेवी और ग्राम से पूर्व प्रधान आदि लोग रहे।

100वें कार्यकम के उपलक्ष्य पर प्रधानमंत्री ने कहा- 3 अक्टूबर 2014

को विजयादशमी से शुरू हुआ यह त्योहार हम हर महीने मनाते हैं। मन की बात कार्यक्रम नहीं, यह मेरे लिए आस्था,पूजा और व्रत है। जैसे लोग ईश्वर की पूजा करने जाते हैं तो प्रसाद की थाल लाते हैं। मन की बात ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद की थाल जैसे हैं। मोदी जी ने हरियाणा के सुनील जगलान जिन्होंने पीएम को सेल्फी विद डॉटर का आइडिया दिया, जम्मू-कश्मीर में पेंसिल स्लेट बनाने वाले मंजूर अहमद, कमल के रेशों से कपड़े बनाने वाली मणिपुर की विजयशांति , हिमालय क्षेत्र से कचरा उठाने का कैंपेन हीलिंग हिमालय शुरू करने वाले प्रदीप से बात करी। इस मौक़े पर औद्रे ऑजुले ने भी प्रधानमंत्री मोदी जी से बात कर उनको बधाई दी।

नोएडा स्टेडियम का कार्यक्रम भाजपा के बूथ नंबर 416 पर हुआ। ये बूथ पंडित दीन दयाल उपाध्याय मण्डल में आता है। इस

के साथ बाक़ी मंडलों पर भी मन की बात कार्यक्रम का आयोजन रहा जहां हर बूथ पर भाजपा कार्यकर्ता और विशिष्ट अतिथि रहे। इस मौक़े पर महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, डिम्पल आनंद, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, मुकेश शर्मा, योगेन्द्र चौधरी, विनोद शर्मा, गिरीश कोटनाला, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, प्रमोद बहल, मंडल अध्यक्ष अशोक मिश्रा, लोकेश कश्यप, गोपाल गौड़, मनोज शर्मा, मुक्ता नंद शर्मा, राम निवास यादव, ओमवीर अवाना, अहसान खान, मनोज चौहान, हर्ष चतुर्वेदी, चमन अवाना, अमरीश त्यागी, बीजेंद्र नागर, रवि यादव, मल्लिकेश्वर झा, आदि लोग मौजूद रहे।

रात्रि में धड़ल्ले से हो रहा कोयला कटिंग, सुबह होते ही रहता सन्नाटा

आधुनिक समाचार

डाला सोनभद्र। रात का अंधेरे और ट्रकों से कोयला कटिंग बल्ले बल्ले, रानीताली में मेंo श्री बजरंग एसोसिएट्स द्वारा हो रहा कोयले का गोरख धंधा । रानीताली में रात्रि होते ही कोयले कटिंग करने का काला बाजारी आरंभ कर दिया जाता है । देखा जाय तो तरह-तरह के व्यापारी रात्रि भर अपने कार्य को अंजाम देने के लिए रात्रि चर बने फिरते है। ऐसे में कोयला कटिंग ही नही बल्कि कटिंग कराने वाले भी चार चक्का गाडी

से घूमते रहते है। इन दिनों कोयला कटिंग से ज्यादा कोयला कटवाने वालो का बाजार गर्म है। अब तो बाहरी क्षेत्रो से भी व्यपारी सुविधाओ को लेकर गोरख धंधे में लिप्त होने लगे हैं । और स्थानीय लोग मालिक बने फिर रहे है। गोरख धंधा करने के लिए यहां शाम होते ही मंडी लग जाती है। और सुबह होते ही सन्नाटा छा जाता है।

प्रेक्षक ने प्रशिक्षण स्थल,कन्ट्रोल रूम एवं स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़।नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को सकुशल, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु माननीय प्रेक्षक सत्य प्रकाश (अपर आयुक्त आबकारी उ0प्र0 प्रयागराज) ने आज सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज में चल रहे मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण स्थल एवं कार्मिकों के मतदान हेतु बनाये गये पोस्टल बैलेट काउण्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण स्थल सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज पर निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के मतदान हेतु बनाये गये तहसील/नगरीय निकायवार स्थापित पोस्टल बैलेट फेसिलिटेशन सेन्टर/काउण्टर पर डाक मतपत्र की सम्पूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया एवं सम्बन्धित से जानकारी प्राप्त की। उसके उपरान्त उन्होने मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण स्थल रूम का अवलोकन किया जिसमें प्रोजेक्टर के माध्यम से मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा था। उन्होने कहा कि मतदान कार्मिक एवं अधिकारी प्रशिक्षण के सभी महत्वपूर्ण बिन्दु को विस्तारपूर्वक समझकर निर्वाचन की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से सम्पन्न करायें। उन्होने मतदान कार्मिकों से प्रश्न भी किया और उसके समुचित जवाब भी प्राप्त किये। प्रेक्षक ने जिला सेवायोजन कार्यालय में बनाये गये कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया एवं वहां पर तैनात कन्ट्रोल रूम के प्रभारी अधिकारी से कन्ट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की जानकारी ली तथा कहा कि कन्ट्रोल रूम में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन से सम्बन्धित जो भी शिकायतें प्राप्त हो उसका निस्तारण यथाशीघ्र किया जाये।

फूलपुर पुलिस द्वारा 06 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। पुलिस के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धड़पकड़ अभियान के अंतर्गत फूलपुर एसीपी मनोज कुमार सिंह वा थाना प्रभारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा रविवार को 6 वांछित अभियुक्तों को पकड़ कर लिखापढ़ी के बाद जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तगणः 1.हरिश्चन्द्र पुत्र पन्ना लाल निवासी ग्राम भरौटी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र 45 वर्ष 2.जगत बहादुर पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम भरौटी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र 48 वर्ष 3.लाल बाबू पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम भरौटी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र 59 वर्ष 4.विजय बहादुर पुत्र राधेश्याम निवासी ग्राम भरौटी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र 45 वर्ष 5.फूलचन्द्र पुत्र रामदेव निवासी ग्राम भरौटी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र 50 वर्ष 6. गंगा प्रसाद पुत्र पन्ना लाल समस्त निवासी ग्राम भरौटी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र 55 वर्ष **गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम**- 1. उ0नि0 पंकज कुमार भाष्कर, फूलपुर 2. का0 जयकेश यादव, 3.का0 संदीप यादव ।

आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रहे हैं पार्षद प्रत्याशी

प्रयागराज। चार मई को नगरऊनिकाय का चुनाव होने जा रहा है। निकाय चुनाव को देखते हुए पूरे प्रदेश में आचार संहिता लागू की गई है। शहर के प्रमुख चौराहों से प्रशासन ने होर्डिंग और बैनर तो उतरवा दिए हैं लेकिन वहीं शहर के कुछ पार्षद प्रत्याशी आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं।इतना ही नहीं पार्षद प्रत्याशी राजनीतिक पार्टियों के बैनर पर चुनाव लड़ रहे हैं और साथ में मेयर का भी प्रचार कर रहे हैं। वहीं अपने पोस्टर पर पार्षद मेयर का भी फोटो लगाकर शहर के तमाम इलाकों के घरों के बाहर पोस्टर चस्पा कर रहे हैं।सुबह से लेकर रात तक महापौर प्रत्याशी और पार्षद प्रत्याशी अपने अपने वार्डों में जीत का वादा करते हुए लोगों से वोट डालने की अपील कर रहे हैं।आचार संहिता लागू होने के बाद कोई भी दल का प्रत्याशी होर्डिंग, बैनर व पोस्टर नहीं लगवा सकता है। यह आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। इसकी निगरानी के लिए पर्यवेक्षक भी तैनात किए जाते हैं लेकिन पर्यवेक्षकों की उदासीनता के चलते प्रत्याशी पोस्टर बैनर लगवाते दिखते हैं।

महिला थाना प्रभारी के प्रयास से चार वैवाहिक जोड़े साथ में रहने के लिये हुए तैयार

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र/जनपद में 'मिशन शक्ति' नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना सरोजमा सिंह मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 04 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए । इसके अतिरिक्त 03 अन्य प्रकरण में पति-पत्नी को निश्चित तिथि देते हुए उन्हें काउंसलिंग हेतु बुलाया गया । काउंसलिंग के

दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी-खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई ।

ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन रोकने हेतु चला गया अभियान

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र।शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में सहदेव मिश्रा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) के नेतृत्व में दिनांक 28 व 29 अप्रैल, 2023 को अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान परिवहन व वाणिज्य कर विभाग के साथ संयुक्त अभियान लोढ़ी बैरियर से होकर आने वाले उपखनिज के अवैध परिवहन के सम्बंध मे सघन जाँच किया गया, जिसमे कुल 57 वाहनों को ओवरलोड होने के कारण एम0चेक ऐप के द्वारा ऑनलाइन चालान की कार्यवाही किया गया, जिसमें 02 वाहनों को लोढ़ी बैरियर के अभिरक्षा में दिया गया तथा वाहन स्वामियों/ चालकों के द्वारा नोटिस की धनराशि को ऑनलाइन मौके पर जमा किया गया।

भाजपा के बागी प्रत्यशियो को किया गया पार्टी से बाहर

आधुनिक समाचार सेवा

सीतापुर। नगर निकाय चुनाव में बीजेपी द्वारा घोषित प्रत्याशियों के विरुद्ध चुनाव मैदान में उतरे बागी प्रत्याशियों के विरुद्ध पार्टी हाईकमान ने बड़ा निर्णय लिया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष माननीय भूपेंद्र चौधरी जी के निर्देशानुसार माननीय क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र जी की संस्तुति पर पार्टी ने तीन बीजेपी नेताओं को पार्टी ने निष्कासन किया है।

जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने बताया कि निकाय चुनाव में पार्टी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे और पार्टी प्रत्याशी का विरोध कर रहे लोगो को पार्टी से बाहर का

रास्ता दिखाया गया है। पार्टी से निष्कासन में सदर नपा सीट से चुनाव लड़ रही निर्दलीय प्रत्याशी पूनम मिश्रा सदस्य प्रदेश कार्यसमिति,अतुल वर्मा नगर उपाध्यक्ष महमूदाबाद और सुरेश वर्मा संयोजक निकाय प्रकोष्ठ को पार्टी से निष्कासित किया गया है।

ग्राम परासी दुबे मे एक 17 वर्षी नाबालिग लड़की कि शादी सुचना मिलते ही तत्काल रोकी गई

जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही से नाबालिग बालिका की रूकी शादी

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र/ विश्वस्त सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुआ की थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत ग्राम परासी दुबे में एक 17 वर्ष नाबालिग बालिका की शादी की जा रही है और आज मटमगरा का कार्यक्रम हो रहा है सूचना के सम्बन्ध मे तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी राजेश कुमार खैरवार ने वन स्टाप सेन्टर केन्द्र प्रशासक /रावर्टसगंज नोडल दीपिका सिंह, जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे की संयुक्त टीम गठित कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया जिसके उपरान्त संयुक्त टीम द्वारा तत्काल सम्बन्धित थाना रावर्टसगंज से समन्वय स्थापित करते हुए उप निरीक्षक अफरोज आलम के साथ ग्राम परासी दुबे पहुंच कर नाबालिग बालिका के मटमगरा कार्यक्रम को रोकवाते हुए नाबालिग बालिका के माता-पिता से पूछ ताछ किया गया उनके द्वारा बताया गया कि दिनांक 02/05/2023 को अपनी पुत्री की शादी करने की तैयारी कर रहे हैं तभी टीम द्वारा बालिका के माता, पिता, से बालिका के उम्र के संबंध में साक्ष्य चाहा गया बालिका के उम्र के संबंध उपलब्ध कराये गये साक्ष्य के आधार पर बालिका का उम्र लगभग 17 वर्ष पाया गया टीम द्वारा बालिका के माता-पिता, व अन्य उपस्थित लोगों को बाल विवाह एक कानूनन अपराध है, बाल विवाह से होने वाले हानियों के बारे में भी बताया गया टीम द्वारा नाबालिग बालिका की विवाह न कर दिया जाये इस कारण से टीम बालिका को अपनी अभिरक्षा में लेते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समझ प्रस्तुत करने हेतु ले जाया गया जिसके सम्बन्ध में ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा आम जनमानस आग्रह करते हुये कहा गया की बालिका की उम्र 18 वर्ष व बालक का उम्र 21वर्ष पूर्ण होने के उपरांत ही निकाह / विवाह कराये एवं दिपिका सिंह द्वारा बताया गया कि यदि बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल सम्बंधित थाने, ब्लाक, वन स्टाप सेन्टर, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति सोनभद्र टोल फ्री नम्बर 1098 या मोबाइल नम्बर 9506918569 व 8318953732 पर सूचित करें सूचना देने वाले ब्यक्ति का नाम गोपनीय रहेगा, बाल कल्याण समिति सोनभद्र के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय के बताया की नाबालिग बालिकाओ की शादी के रोकथाम हेतु सतत् निगरानी की जा रही हैं।

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित एक नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में वांछित अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी घोरावल के नेतृत्व में थाना शाहगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 37/23 धारा 376(2) इ ,376 (2) ह व 376 (3), 313,318, 506 भादवि व 5र(ग),5ह, 5ह/6 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त सुरेश कोल पुत्र कान्ता कोल निवासी रैपुरा थाना शाहगंज सोनभद्र उम्र 37 वर्ष को आज दिनांक 29.04.23 को प्राथमिक विद्यालय गौरीशंकर के पास से गिरफ्तार किया गया । **गिरफ्तार अभियुक्त-** सुरेश कोल पुत्र कान्ता कोल निवासी रैपुरा थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 37 वर्ष। **गिरफ्तारी करने वाली टीम-** 1-प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पाल थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। 1-मु0अ0 मनोज भारती थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र । 2-मु0अ0 ज्ञानेन्द्र सिहं थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र।

अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे ने जल जीवन मिशन कार्यो का किया निरीक्षण

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने निर्माणाधीन जल जीवन मिशन कार्य प्रगति का मौके पर भ्रमण कर निरीक्षण किया तथा कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा डब्ल्यू0टी0पी0, एन0डी0 वाटर सप्लाई टेस्टिंग लेडुकी,

जी0वी0पी0आर0 आदि कार्यो का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुये कहा कि गर्मी के दृष्टिगत हाउस कनेक्शन कार्य में तेजी लाये। उन्होने यह भी कहा कि पाइप डालने के लिये खोदी गयी सड़को का मरम्मत भी समयान्तर्गत सुनिश्चित कराते हुये ताकि लोगो को आवागमन में कोई असुविधा न हो।

इंदारा में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

आधुनिक समाचार सेवा

कोपागंज(मऊ)। कोपागंज थाना के इंदारा रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रेक से दस मीटर पर एक युवक लगभग

25 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव राहगीरों ने देखा। सूचना पर पहुँचे जीआरपी मऊ ने शव को रेलवे सीमा से बाहर बताकर चली गई। शव मिलने बाद मचा हड़कंप। कोपागंज थाना के इंदारा रेलवे स्टेशन के समीप एक युवक रेलवे ट्रैक से दस मीटर की दूरी पर अज्ञात शव को राहगीरों ने देखा उसके बाद सूचना पुलिस को दी मौके पर जीआरपी पहुँचकर रेलवे सीमा से बाहर बता कर चली गई। उसके बाद रेलवे पुलिस ने सूचना अदरी चौकी प्रभारी को दिया। कोपागंज पुलिस मौके पर पहुचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस काफी छानबीन के बाद शव की शिनाख्त नहीं हो पाया। देखने पर लग रहा है कि मांगने खाने वाला गुमन्तु विकलांग लग रहा है। काला शर्ट, लाल बनियान, लाल अंडरवियर, बाए पैर में काला धागा पहना हुआ है। जिसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुँची। इस बाबत कोपागंज एसओ व एसओजी प्रभारी अमित कुमार मिश्र ने बताया कि शव कई दिनों पुराना लग रहा है। शव को 72 घंटे पोस्टमार्टम हाउस में रखकर पहचान कराने का प्रयास किया जाएगा। किसी को इसकी जानकारी मिले तो थाना कोपागंज से सम्पर्क कर सकते है।

थाना सेक्टर 113 पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा।बिसरख नोएडा थाना सेक्टर 113 पुलिस द्वारा अभियुक्त गोविन्दो पुत्र बंसा हल्दार नि0 अलाल घाट थाना राजौल जिला मालदा प0बंगाल हाल पता- महेन्द्र यादव का मकान सै0 73 सर्फाबाद थाना सेक्टर 113 नोएडा गौतमबुद्धनगर उम्र 23 वर्ष को सै0 76 मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है। थाना सेक्टर-113 नोएडा पुलिस द्वारा दिनाक 28.02.2023 को वादिया मुकदमा द्वारा थाना सेक्टर 113 नोएडा गौतमबुद्धनगर पर सूचना दी गयी कि उनके पडोस में रहने वाले आरोपी गोविन्दो उपरोक्त द्वारा 07 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड कर व दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया ।

सीधे प्रवेश

100% Placement

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com | Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

100 बीमारियों की एक दवा और फिटनेस का सबसे बेहतर विकल्प- नारियल पानी

भागदौड़ की जिंदगी में सेहत के लिए नारियल पानी एक बहुत ही अच्छा विकल्प है। इसे डाभ भी कहते हैं। नारियल पानी में विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं इसलिए यह हमारे स्वास्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। आयुर्वेद में कहा गया है कि यह 100 बीमारियों में लाभ करता है और शरीर को चुस्त दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाता है। गर्भवती महिलाएं अगर इसका नियमित सेवन करे तो गर्भस्थ शिशु सुंदर, स्वस्थ और गोरा होता है। नारियल को श्रीफल भी कहा जाता है। ऐसा इसकी धार्मिक महत्ता के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण कहा जाता है। नारियल में विटामिन, पोटैशियम, फाइबर,

कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन और खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। नारियल कई बीमारियों के इलाज में काम आता है। नारियल में वसा और कॉलेस्ट्रॉल नहीं होता है, इसलिए नारियल मोटापे से भी निजात दिलाने में मदद करता है। गर्मियों में नारियल पानी के सेवन से, आपको दिव्य आनंद प्राप्त होगा। यह केवल आपको ताजगी ही नहीं, बल्कि इस में कई सारे स्वास्थवर्धक गुण भी छुपे हैं। नारियल पानी में विटामिन, मिनरल, इलेक्ट्रोलाइटस, एंजाइमस्, एमिनो एसिड और साइटोकाइन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। नारियल पानी महिलाओं के स्वास्थ्य के लिये बहुत ही अच्छा माना गया है। यदि पेशाब में जलन हो रही हो, डीहाड्रेशन हो गया हो, त्वचा में निखार चाहिये हो या फिर मोटापा घटाना हो तो नारियल पानी पीजिये। नारियल की तासीर ठंडी होती है इसलिए नारियल का पानी हल्का, प्यास बुझाने वाला, अग्निप्रदीपक, वीर्यवर्धक तथा मूत्र संस्थान के लिए बहुत उपयोगी होता है। इसमें स्वास्थवर्धक गुण तो है ही, साथ ही इसकी ताजगी से भरा स्वाद इसे पूरे विश्व में लोकप्रिय बनाता है। आइये जानते हैं नारियल पानी के बारे में कुछ स्वास्थ्य वर्धक बातें। नारियल पानी ऊर्जा का अच्छा स्त्रौत है इसलिए व्यायाम के बाद के इसे जरुर पीना चाहिए। जो लोग अधिक व्यायाम करते हैं उन्हें तो व्यायाम के बाद नारियल पानी जरुर पीना चाहिए। नारियल का पानी शरीर के मेटाबोलिस्म रेट को बढ़ाता है जो की वजन को कम करने में सहायक होता है। यह इम्म्युन सिस्टम को ताकत देता है जिससे की शरीर को बीमारियों से लड़ने में सहायता मिलती है। कुल मिलाकर यह सभी वर्ग के लोगों के लिए हर चीज में लाभकारी है इसलिए इसका सेवन करना चाहिए।

जून के अंत या जुलाई की शरुआत में सीएसएल किया जा सकता है शुरू

शंघाई। कोरोना वायरस महामारी के कारण स्थगित हुई चीन सुपर लीग (सीएसएल) का सत्र जून के अंत या जुलाई की शरुआत में शुरू किया जा सकता है। फुटबाल क्लब ग्वांग्झू आर एंड एफ के अध्यक्ष हुआंग शेंगहुआ ने यह जानकारी दी। यूरोप सहित दुनिया भर की स्थगित लीगों की नजरें सीएसएल पर टिकी हैं क्योंकि वे देखना चाहते हैं कि लीग को दोबारा शुरू करने में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सीएसएल 22 फरवरी को शुरू होनी थी लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे निलंबित कर दिया गया। दिसंबर में चीन से शुरू हुआ कोरोना वायरस संक्रमण इसके बाद दुनिया भर में फैल गया। चीन की मीडिया ने शेंगहुआ के हवाले से कहा, ''मौजूदा स्थिति के विश्लेषण के आधार पर नया सत्र जून के अंत में या जुलाई की शुरुआत में शुरू हो सकता है।''शेंगहुआ ने कहा कि पूरे सत्र का आयोजन किया जा सकता है जिसमें प्रत्येक टीम पूरे 30 मैच खेलेगी। मीडिया में आई खबरों में हालांकि यह संकेत नहीं दिए गए हैं कि चीन फुटबाल संघ से इस संबंध में औपचारिक घोषणा की उम्मीद है या नहीं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ ही मसालों के होते हैं ढेर सारे स्वास्थ्य लाभ

खांसी होने पर बचपन से आपको भी हल्दी दूध पीने की सलाह दी जाती होगी, क्योंकि यह बेहतरीन एंटीबायोटिक है। हल्दी दूध इम्यूनिटी बढ़ाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा हल्दी के और भी कई फायदे हैं। छोटी इलायची बड़े काम की चीज़ है। यह कई बीमारियों से लड़ने में मदद करती है। मसाले सदियों से भारतीय खानपान का हिस्सा है। मसालों का इस्तेमाल स्वाद और खुशबू बढाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारतीय मसाले सेहत की दृष्टि से भी बहुत लाभदायक है। हाल ही में आयुष मंत्रालय ने भी वायरस के खिलाफ अपनी इम्यूनिटी मज़बूत करने के लिए बाकी हिदायतों के साथ ही मसालों को भी खाने में शामिल करने की बात कही। तो चलिए आपको बताते हैं मसालों के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में।

इलायचीः किसी भी व्यंजन की खूशबू बढ़ाने वाली छोटी इलायची बड़े काम की चीज़ है। यह कई बीमारियों से लड़ने में मदद करती है। इलायची के पाउडर का सेवन करने से पाचन तंत्र ठीक रहता है। साथ ही भूख न लगने की समस्या भी इससे दूर होती है। ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी इलायची फायदेमंद होती है, यह ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करती है।

इलायची खाने से फेफड़ों में ब्लड सर्कुलेशन अच्छी तरह होता है। अस्थमा पेशेंट के लिए इलायची बहुत लाभदायक है।

हल्दीः खांसी होने पर बचपन से आपको भी हल्दी दूध पीने की सलाह दी जाती होगी, क्योंकि यह बेहतरीन एंटीबायोटिक है। हल्दी दूध इम्यूनिटी बढ़ाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा हल्दी के और भी कई फायदे हैः चोट वाली जगह पर हल्दी लगाने और हल्दी के सेवन से चोट जल्दी ठीक हो जाती है। हल्दी में मौजूद कुरकुमिन नामक एंटीऑक्सीडेंट एंटी एजिंग का काम करता है। यदि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ा हुआ है, तो हल्दी का सेवन लाभदायक होगा। शरीर में मौजूद किसी भी तरह के सूजन को कम करने में हल्दी फायदेमंद है। हल्दी वजन कम करने के काम आता है। इसलिए खाने में हल्दी का इस्तेमाल ज़रूर करें।

जीराः जीरे में मैगनेशियम और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। इसे खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इम्यूनिटी बढ़ाने में जीरा भी बहुत फायदेमंद होता है, इसलिए जीरे का सेवन अवश्य करें। सांस की बीमारी वालों के लिए और वजन कम करने की कोशिश करने वालों के लिए भी जीरा बहुत लाभदायक होता है। जीरे के सेवन से एनीमिया दूर होता है और पाचन तंत्र ठीक रहता है। साथ ही इससे हड्डियां भी स्वस्थ रहती हैं।

धनियाः भारतीय खाने में धनिया पत्तियों, साबूत धनिया और धनिया पाउडर का इस्तेमाल खाने का ज़ायका बढ़ाने के लिए होता है। धनिया पाउडर के सेवन से बैक्टीरिया लड़ने में मदद मिलती है। बैक्टीरिया के कारण फूड पॉइज़निंग होती है। इसके सेवन से दस्त, गैस, पेट दर्द और अपच की समस्या से निजात मिल सकती है। ब्लड शुगर लेवल और हार्मीस का बैलेंस बनाए रखने में भी मदद मिलती। धनिया खाने से पेट ठंडा रहता है और पेट में मौजूद कीड़े और बैक्टीरिया मर जाते हैं।

कालीमिर्चः अक्सर सर्दी-खांसी होने पर जो काढ़ा बनाया जाता है, उसमें कालीमिर्च अवश्य डाली जाती है। क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है जिससे कफ व सर्दी से राहत मिलती है।

कालीमिर्च में आयरन की मात्रा होती है, जो शरीर के लिए फायदेमंद है। यह ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार है। यह ब्लड सर्कुलेशन को ठीक रखता है और गठिया के दर्द से राहत दिलाने में भी मददगार है। कालीमिर्च के सेवन से गैस की समस्या भी खत्म हो जाती है।

लहसुनः लहसुन हमारे खाने का अनिवार्य हिस्सा है। कुछ खास लोगों को छोड़कर लगभग हर घर में लहसुन का प्रयोग होता है। लहसुन खाने से भी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

सुबह खाली पेट लहसुन खाने से हाई बीपी और डायरिया व कब्ज जैसी बीमारियों से राहत मिलती है। लहसुन दिल को सुरक्षित रखता है। इसके सेवन से हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। सर्दी-जुकाम, खांसी, अस्थमा, निमोनिया, ब्रोंकाइटिस आदि की मरीजों के लिए भी लहसुन का सेवन फायदेमंद होता है। खाली पेट लहसुन खाने से डाइजेशन ठीक रहता है और भूख न लगने की समस्या भी दूर होती है।

खूबसूरती को निखारने के लिए चेहरे पर वैक्स करें या ब्लीच

अमूमन महिलाएं अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए कई तरह के ब्यूटी टीटमेंट लेती हैं। इन्हीं में वैक्सिंग और ब्लीचिंग करना भी शामिल है। चेहरे पर मौजूद बाल के कारण हेयरी लगते हैं। इन बालों को हटाने के लिए महिलाएं या तो वैक्सिंग का सहारा लेती हैं या फिर चेहरे पर ब्लीच करती हैं। हालांकि यह किसी भी महिला के यह कह पाना मुश्किल है कि इन दोनों में से कौन सा तरीका सबसे अच्छा है। तो चलिए आज हम आपको इन दोनों तरीकों के फायदों व नुकसान के बारे में बता रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपके लिए यह फैसला लेना आसान हो जाएगा कि आपके लिए इन दोनों में से कौन-सा तरीका सबसे अच्छा है-

फेशियल हेयर ब्लीचः फेशियल हेयर ब्लीच चेहरे के बालों को हटाने का ऐसा तरीका है, जिसमें वास्तव में बालों को हटाया ही नहीं जाता। यह बालों को डार्क कलर से लाइट में बदल देता है, जिसके कारण यह कम विजिबल होते हैं। इन बालों को तब तक कोई नहीं देख पाता, जब तक वे उसे बेहद करीब से ना देखें। ब्लीचिंग का असर दो से चार सप्ताह तक रहता है। यह इस बात पर भी निर्भर है कि आपके बाल कितने थिक हैं और कितना तेजी से बढ़ते हैं। **फेशियल हेयर ब्लीच के लाभः** फेशियल ब्लीच महज 15 मिनट में हो जाती है और आप इसे खुद घर पर भी कर सकती हैं। इससे आप हेयर रिमूवल रिस्क को कम कर सकती है। **नुकसानः** इससे हर तरह की स्किन व बालों को लाभ नहीं होता। अगर आपकी त्वचा का रंग गहरा है तो आपके बाल नजर आ सकते हैं। इसके परिणाम लंबे समय तक नहीं रहते। जिसके कारण आपको हर थोड़े दिन में ब्लीच करना पड़ता है। कभी-कभी आपको इससे एलर्जी प्रतिक्रिया भी हो सकती है। अगर इससे स्किन पर बहुत देर तक लगाया जाए तो स्किन इरिटेशन व बर्न की परेशानी झेलनी पड़ सकती है। **फेशियल वैक्सः** फेशियल वैक्सिंग करते समय चेहरे के बालों पर वैक्स लगाकर इसे जड़ से खत्म किया जाता है। यह वास्तव में अनचाहे बालों को हटाने का सबसे आम तरीका है। **फेशियल वैक्सिंग के लाभः** यह कुछ सप्ताह के लिए आपके चेहरे से बालों को जड़ से निकालकर उसे चिकना बनाता है। यह दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक रह सकता है। नियमित रूप से वैक्सिंग करने से समय के साथ बालों का विकास कम हो जाता है। यह चेहरे के छोटे हिस्से पर बालों को हटाने का एक प्रभावी तरीका है। **फेशियल वैक्सिंग के नुकसानः** चेहरे पर त्वचा नाजुक होती है और वैक्सिंग करते समय त्वचा की ऊपरी परत वास्तव में निकल जाती है। इससे कभी-कभी त्वचा में जलन, त्वचा संक्रमण, त्वचा रोग और एलर्जी हो सकती है। इसके कारण आपको पिंपल्स, फेस रैश व स्किन डिस्कलरेशन की समस्या हो सकती है। बालों की पुनः वृद्धि से आपको खुजली हो सकती है।

पीनट बटर खाने से आपके स्वास्थ्य को मिलते हैं यह गजब के लाभ

पीनट बटर को बहुत से लोग अपने ब्रेकफास्ट में शामिल करते हैं। एक टोस्टेड ब्रेड के ऊपर पीनट बटर बहुत से लोगों का नाश्ता होता है। वैसे आप भी पीनट बटर को खाना पसंद करते हैं तो आपको शायद इससे मिलने वाले हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में भी पता होगा। इसमें मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैट पाया जाता है, जो इसे काफी पौष्टिक बनाता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ई, विटामिन बी3, विटामिन बी 6, फोलेट, मैगनेशियम, कॉपर, मैगनीज, विटामिन बी5, आयरन, पोटेशियम, जिंक व सेलेनियम पाया जाता है। इतना ही नहीं, इसमें कुछ हद तक एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं। तो चलिए आज हम आपको पीनट बटर खाने से मिलने वाले फायदों के बारे में बता रहे हैं-

कम करें वजनःसुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन पीनट बटर आपके वजन को कम करने में सहायक हो सकता है। दरअसल, इसके सेवन से आपकी भूख दबती है, जिससे वजन कम होता है। दरअसल, इसमें फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है, जिसके कारण इसके सेवन से आप लंबे समय तक खुद को फुल महसूस करते हैं और इस तरह आप अतिरिक्त कैलोरी के सेवन से बच जाते हैं। **हार्ट फ्रेंडलीः** पीनट बटर वजन कम करने के साथ-साथ आपके दिल के लिए भी बेहद लाभदायक है। पीनट बटर में पी-कौमारिक एसिड नामक पदार्थ होता है जो हृदय रोगों से जुड़ी कोशिकाओं को हुए नुकसान को दूर करने में मदद करता है। इसके

अलावा इसमें अनसैचुरेटिड फैट पाया जाता है, जिसके कारण हृदय और कोरोनरी हृदय रोग होने की संभावना कम होती है। **कैंसर का खतरा कमः** पीनट बटर में विटामिन ई की प्रचुर मात्रा पाई जाती है और एक रिसर्च से यह पता चला है कि विटामिन ई रिच डाइट लेने से पेट, कोलोन, फेफड़ों, लीवर व अन्य तरह के कैंसर होने का खतरा कम होता है। **मधुमेह का खतरा कमः** कैंसर की ही तरह अगर पीनट बटर मधुमेह के रिस्क को भी कम करने में मदद करता है। पीनट बटर को रक्त शर्करा नियंत्रण पर सकारात्मक रूप से प्रभाव डालता है। सप्ताह में कम से कम पांच दिन तक दो बड़े चम्मच खाने से मधुमेह के विकास के जोखिम को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। खासतौर से, टाइप 2 डायबिटीज के रिस्क को कम करने में यह बेहद प्रभावी है। **मजबूत हड्डियांः** पीनट बटर में आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जो रक्त में ऑक्सीजन के परिवहन और स्वस्थ, मजबूत हड्डियों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, अपने दैनिक आहार में हेल्दी प्रोटीन जैसे पीनट बटर को शामिल करने से मजबूत हड्डियां मिलती हैं।

अपने शरीर के मोटापे को यूं कहें अलविदा...

मोटापा किसी भी सूरते हाल में किसी को भी अच्छा नहीं लगता है। कहा जाता है कि मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। मोटापा बहुत से रोगों से जुड़ा हुआ है, जैसे हृदय रोग, मधुमेह, निद्रा कालीन श्वास समस्या, कई प्रकार के कैंसर और ऑस्टेयोआर्थ्राइटिस आदि है। मोटापे के प्रमुख्य कारण अत्यधिक कैलोरी वाले खाद्य का सेवन, शारीरिक गतिविधियों का अभाव, आनुवांशिकी का मिश्रण हो सकता है। हालांकि मात्र आनुवांशिक, चिकित्सकीय या मानसिक रोग के कारण बहुत ही कम संख्या में पाये जाते हैं। यह कई बीमारियों की जड़ है लिहाजा इससे बचा जाना चाहिए। शाकाहारी खाने में चर्बी कम होती है जिससे मोटापा नहीं होता है या फिर कम होता चला जाता है। अध्?ययन बताते हैं कि ज्?यादा मांसाहार के सेवन का असर भी मोटापे पर पड़ता है। यदि आप मांसाहार ज्यादा करते हैं तो एकदम से इसें बंद करना आसान नहीं होता। जब तक आप पूर्ण रूप से इसे न छोड़ पाएं, तब तक मांसाहार और शाकाहार का सेवन जारी रखें और धीरे-धीरे शाकाहार को पूरी तरह अपनाएं। भोजन में शाक-सब्जी, कच्चा सलाद और कच्ची हरी शाक-सब्जी की मात्रा अधिक और चपाती, चावल व आलू की मात्रा कम रखना चाहिए। दही खाने से भी वजन कम हो सकता है। ज्यादा दही खाने वालों का वजन तेजी से घटता है या कम बढ़ता है। दही में कैल्शियम और प्रोटीन फैट को कम करने में सहायक होता है, लेकिन दही या तो टोंड या स्किम्ड मिल्क की हो या फिर दूध की मलाई उतार कर जमाएं। दही रात को न खाएं। सुबह या लंच में इसे लेना बेहतर रहता है। तली हुई चीजे जैसे आलू चिप्स, कुकीज का कम से कम उपयोग करें। फास्ट फूड जैसे बर्गर, पिज्जा की जगह सलाद, फ्रूट जैसी स्वस्थ चीजों का चुनाव करें। खाने में फाइबर युक्?त भोजन लें। यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर करता है। फाइबरयुकत भोजन आपके शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को भी बर्न करता है। रेशेदार चीजों के सेवन से आपका शरीर सेहतमंद रहता है और अनावश्यक चर्बी नहीं होती है। मोटापा कम करने के लिए या फिर उससे बचने के लिए भोजन के अन्त में पानी पीना उचित नहीं, बल्कि एक-डेढ़ घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। इससे पेट और कमर पर मोटापा नहीं चढ़ता, बल्कि मोटापा हो भी तो कम हो जाता है। खाना भूख से थोड़ा कम ही लेना चाहिए। इससे पाचन भी ठीक होता है और पेट बड़ा नहीं होता। पेट में गैस नहीं बने इसका खयाल रखना चाहिए। गैस के तनाव से तनकर पेट बड़ा होने लगता है। दोनो समय शौच के लिए अवश्य जाना चाहिए। मोटापा कम करने के लिए व्यायाम का भी सहारा लिया जा सकता है। तैरना आता है तो इससे अच्छी एक्सरसाइज दूसरी नहीं। नहीं आता है तो सुबह की सैर के लिए रोज निकल जाए। अंत में सबसे अहम बात। यह बात हमेशा हमें ध्यान रखनी होगी कि हम अपने रोजाना आहार के जरिए कैलोरी ले रहे है उसे उसी दिन बर्न कर दे यानी खर्च कर दे। अगर रोजाना ली जाने वाली कैलोरी और खर्च होनेवाली कैलोरी में अंतर होता गया तो यह डिपोजिट फैट ही धीरे-धीरे मोटापे का रूप ले लेता है। यानी इसके लिए हम यह मालूम होना चाहिए कि किस चीज में कितनी कैलोरी होती है। अगर उसमें कैलोरी ज्यादा है तो जाहिर सी बात है कि उसे बर्न करने के लिए मेहनत भी खूब करनी होगी।

रोजाना साइकिल चलाने से मिलेंगे 3 गजब के फायदे, स्वस्थ रहने के साथ ही होगी पैसे की बचत

साइकिल चलाने के कई फायदे होते हैं। जहां एक ओर साइकिल चलाने से पॉल्यूशन से मुक्ति मिलती है तो वहीं दूसरी ओर आपकी सेहत भी अच्छी रहती है। बता दें कि न सिर्फ बच्चों बल्कि बड़ों को भी कम से कम आधा घंटे साइकिल चलानी चाहिए। हमारे सेहत और शरीर दोनों के लिए साइकिल चलाना फायदेमंद है। साइकिल चलाने से पूरी बॉडी की एक्सरसाइज हो जाती है। वहीं डॉक्टर योगेश ने साइकिल चलाने के 3 फायदे बताए हैं। इन फायदों को जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। आइए जानते हैं उन फायदों के बारे में... **ईंधन की बचतः** साइकिल चलाने से पॉल्यूशन से मुक्ति मिलने के साथ ही ईंधन की भी बचत होती है। आजकल लोग आसपास आने-जाने के लिए भी गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको ऐसा करने से बचना

चाहिए। आसपास जाने के लिए आपको साइकिल का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपकी एक्सरसाइज भी हो जाएगी। **कैंसर का खतराः** साइकिल चलाने से हमारा स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। साथ ही इससे बाउल कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। डॉक्टर के अनुसार साइकिल चलाने से ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को भी कम किया जा सकता है। वहीं अगर आप दिल संबंधी किसी परेशानी से जूझ रही हैं तो इसमें भी साइकिल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। **मानसिक तनावः** अगर आप मानसिक तनाव से परेशान हैं तो आपको अपने डेली रुटीन साइकिल चलाने को शामिल करना चाहिए। जो भी लोग मानसिक तनाव फेस कर रहे हैं उनको खासकर साइकिल चलाना चाहिए। वहीं एक्सपर्ट्स की मानें तो साइकिल चलाने से आपके शरीर की भी एक्सरसाइज हो जाती है, जो आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है।

बहुत कुछ छीनते हैं ऑनलाइन गेम्स

बचपन में हम पूरे साल इतनी तरह के खेल खेलते रहते थे कि उनसे भरपूर शारीरिक और मानसिक कसरत होती थी। क्रिकेट, हॉकी और फुटबॉल से समय मिलता था, तो घर में और घर के आसपास भी तमाम तरह के गेम्स हुआ करते थे। उनमें आउटडोर और इनडोर, दोनों तरह के गेम्स थे। चोर-सिपाही, पकड़ा-पकड़ी, कबड्डी, खो-खो, गुल्ली-डंडा, लट्टू से थकते थे, तो घर में आकर लूडो, सांप-सीढ़ी, शतरंज, कैरम, शब्दज्ञान, एटलस और अंताक्षरी जैसे न जाने कितने खेल थे। हर खेल के कुछ एक्सपर्ट खिलाड़ी हुआ करते थे, जिन्हें हर कोई अपनी टीम में रखना चाहता था। हमारे मोहल्ले में एक लड़की को सैकड़ों भजन और कविताएं याद थीं। अंताक्षरी में सबके फिल्मी गीत खत्म हो जाते थे, पर उसके भजन और कविताएं कभी खत्म नहीं होते थे। जिस टीम में भी वह होती, हमेशा वही टीम जीतती। दूसरे खेलों में भी ऐसा ही था। बड़ा होने पर पढ़ाई की व्यस्तता के कारण बेशक इन खेलों के लिए समय कम मिलने लगा, लेकिन फिर भी यही खेल हम में अपार ऊर्जा भर देते थे और कभी बोर नहीं होने देते थे। साइंस और मैथ्स की घंटों की पढ़ाई की थकान शतरंज की एक बाजी उतार देती थी। हमारे पड़ोस के रमेश चाचा शतरंज के हमारे उस्ताद थे। वे हमें नई-नई व्यूह रचना और अटैक-डिफेंस सिखाते थे। शतरंज के खेल को दुनियादारी से जोड़कर भी उन्होंने हमें इतना कुछ समझाया था कि आज भी किसी मैनेजमेंट स्कूल के सिलेबस में उसे जगह मिल सकती है। इस सबको अरसा बीत गया। वक्त बदल गया। आज भी ये खेल तो हैं, पर इनका आकाश छोटा होता जा रहा है। इनके लिए बच्चों के पास वक्त नहीं है। आज के बच्चे इन खेलों को /बच्चों का खेल/ समझकर इनसे दूर ही रहते हैं। इनके बजाय उन्होंने दूसरे खेलों का दामन थाम लिया है। ये हैं वर्चुअल गेम्स। इनके लिए साथी खिलाड़ी की जरूरत नहीं। बस कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट या मोबाइल फोन पर इन्हें अकेले खेलते रहिए। मैं अपने आसपास के बच्चों को देखता हूं, तो वे इन्हीं वर्चुअल गेम्स में डूबे नजर आते हैं। दरअसल बड़े शहरों में आउटडोर खेलों के लिए स्पेस की बेहद कमी रहती है। इसीलिए खासकर मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों में इंडोर गेम्स का काफी चलन रहा है। मुंबई में लंबे समय तक कैरम सबसे पसंदीदा इंडोर गेम माना जाता था। हर क्लब, चॉल और सोसायटी में लोग कैरम खेलते हुए अक्सर दिख जाया करते थे। खासकर चॉल्स में तो कैरम की अड्डेबाजी जमती थी। फिल्मों में भी इसके काफी सीन आए हैं। मगर पिछले करीब दो दशकों में इंडोर गेम्स के मामले में बच्चों और नौजवानों की पसंद तेजी से बदली है। पिछली सदी के आखिरी दशक में मिलों की जमीनों पर उगे शॉपिंग मॉल्स में गेम्स पार्लर भी बने। जल्द ही ऐसे पार्लर मल्टिप्लेक्स थियेटरों और अन्य जगहों पर भी नजर आने लगे। इनमें विडियो गेम्स, पूल गेम्स और बाउलिंग खेलने के लिए किशोरों और युवकों की भीड़ लगने लगी। पूल गेम्स और अब ये खेल आम लोगों में भी लोकप्रिय हो गए। जगह-जगह बिलियर्ड और स्नूकर की टेबल्स लग गईं। पार्लरों में बाउलिंग तक पहले अभिजात्य वर्ग की ही पहुंच थी। विडियो गेम्स का जलवा हल्का पड़ा कंप्यूटर और लैपटॉप पर इंटरनेट गेम्स के आने से। अब तो मोबाइल फोन पर भी ऐसे गेम्स खूब खेले जा रहे हैं। सॉलिटेयर, हार्ट, कैंडी क्रश सागा, सब-वे सर्फर, टेंपल रन, रोड फाइटर, गैलैक्सी, ऐज ऑफ एंपायर्स, आस्फाल्ट-8, हिल क्लाइंब, कट द रोप, व्हेयर इस माई वॉटर, चेस और एंग्री बर्ड जैसे गेम्स में नौजवान पीढ़ी पूरी तरह रंग और रम चुकी है। इन सभी गेम्स ने ऐसा रंग जमाया है कि कैरम के अड्डे सूने हो चले हैं। वक्त की बेहद कमी हो गई है। गेम जीतने और ज्यादा से ज्यादा लेवल पार करके ज्यादा से ज्यादा पॉइंटस हासिल करने का ऐसा क्रेज हो गया है कि लोग घंटों तक इन गेम्स से चिपके रहते हैं। फेसबुक और वॉटसऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इन गेम्स में अपनी उपलब्धियों को शेयर करना भी एक ट्रेंड बन गया है। अब तो कोई भी गेम यह ध्यान में रखकर बनाया जाता है कि वह मोबाइल या कंप्यूटर, किस प्लेटफॉर्म पर ज्यादा खेला जाएगा। गेमिंग का फंडा यह है कि गेम सीखने में आसान, लेकिन खेलने में मुश्किल होना चाहिए। गेम में यह खूबी भी होनी चाहिए कि किसी को खेलते देखकर दूसरे भी उसे खेलने के लिए लालायित हो जाएं। इसी वजह से तमाम नये गेम बहुत जल्दी लोकप्रिय हो जाते हैं। कैंडी क्रश सागा का ही उदाहरण लें। इसे अप्रैल, 2012 में फेसबुक पर लॉन्च किया गया था।

सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार दूसरी जीत के लिए दिल्ली कैपिटल्स को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार पांच हार के बाद पिछले दो मैचों में जीत दर्ज करने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी उम्मीदें बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की होगी। पिछले दोनों मैचों दिल्ली को जीत दिलाने में गेंदबाजों की भूमिका अहम रही। टीम का पिछला मुकाबला भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही थी। हैदराबाद में खेले गये कम स्कोर वाले इस मैच को दिल्ली ने सात रन से जीता था। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वार्नर ने अपनी पूर्व टीम के खिलाफ गेंदबाजों का शानदार इस्तेमाल किया था।

अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी ने हैदराबाद के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया और फिर आखिरी ओवर में मुकेश कुमार ने शानदार तरीके से 13 रन का बचाव किया। इस मुकाबले में इशांत शर्मा और एनरिच नोर्किया ने भी प्रभावित किया। टीम के लिए परेशानी का सबसे उसकी बल्लेबाजी है। पिछले मुकाबले में टीम ने आठ ओवर में 62 रन पर पांच विकेट गंवा दिया था। मनीष पांडे और अक्षर पटेल की संयमित बल्लेबाजी ने टीम के स्कोर को 17 ओवर में पांच विकेट पर 128 रन तक पहुंचाया। दिल्ली ने इस मुकाबले में 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन बनाये थे।

वार्नर ने ज्यादातर मैचों में टीम की बल्लेबाजी का बोझ उठाया है लेकिन दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिलने के कारण वह खुल कर नहीं खेल पा रहे हैं। इस सत्र में पावरप्ले में उन्होंने सबसे ज्यादा डॉट गेंदें खेली हैं। खराब लय में चल रहे पृथ्वी साव की जगह टीम ने पिछले मैच में फिल साल्ट से पारी का आगाज कराया लेकिन वह खाता खोलने में नाकाम रहे। मिशेल मार्श अपनी छोटी पारी के दौरान अच्छे दिखे, लेकिन पांच पारियों में 31 रन उनकी कुछ और कहानी बयां करती हैं। सरफराज खान और अमन हकीम खान ने भी संघर्ष किया है और ज्यादातर मैचों में अगर अक्षर बल्ले से योगदान नहीं देते तो इस आईपीएल में दिल्ली के लिए चीजें शर्मनाक हो सकती थीं।

इस स्पिन ऑलराउंडर के कौशल का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए उसे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की जरूरत है। वहीं दूसरी तरफ सनराइजर्स की टीम पिछले मुकाबले के ज्यादातर समय तब मैच को जीतने की स्थिति में थी। टीम को हालांकि धीमी शुरुआत का खामियाजा भुगतना पड़ा। आईपीएल में अपने पहले शतक के बाद हैरी ब्रुक पावरप्ले में रन बनाने में संघर्ष करते दिखे है। मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी और अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही है। टीम के गेंदबाजों ने हालांकि प्रभावशाली प्रदर्शन किये हैं। भुवनेश्वर कुमार ने पिछले मुकाबले में चार ओवर में महज 11 रन खर्च कर दो विकेट चटकाये तो वहीं वाशिंगटन सुंदर ने मैच के आठवें ओवर में तीन विकेट चटकाकर दिल्ली को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया था। **टीमें::** दिल्ली कैपिटल्सः डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, सरफराज खान, अमन हकीम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, एनरिक नोर्किया, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी और यश धुल।

सनराइजर्स हैदराबादः एडेन मार्करम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसीन और अनमोलप्रीत सिंह। मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

रहाणे को टीम में शामिल किए जाने पर आया रवि शास्त्री का बयान, कहा- अय्यर के चोटिल होने के बाद वो ही विकल्प थे

नयी दिल्ली। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि श्रेयस अय्यर के पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' के कारण बाहर होने के बाद अजिंक्य रहाणे का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना तय था। डब्ल्यूटीसी का फाइनल सात से 11 जून तक लंदन के ओवल में खेला जाएगा। शास्त्री ने 2014 से 2021 के बीच सात में से छह वर्षों के लिए भारतीय टीम को कोचिंग दी है। उन्होंने उन लोगों पर कटाक्ष किया जिन्हें लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग में तीन बेहतरीन पारियां खेलने से रहाणे को भारतीय टीम के लिए चुना गया। शास्त्री ने कहा, " ऐसे लोग शायद छुट्टी पर होंगे जब रहाणे ने घरेलू सत्र में 600 (रणजी ट्रॉफी) से अधिक रन बनाये।"

इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, " मुझे खुशी है कि उसने इस टीम में जगह बनायी। उसने आईपीएल में खेले गए इन दो-तीन मैचों में खूबसूरती से बल्लेबाजी की है, वह शानदार फॉर्म में दिख रहा है। उसके पास मौजूद अनुभव को नहीं भूलना चाहिए। जिस समय श्रेयस अय्यर चोटिल हुए थे, आपको उस दिशा में देखना था।" रहाणे की अगुवाई में भारत ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की थी। इसे विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत में से एक माना जाता है। शास्त्री ने कहा, " यह बहुत बड़ा मैच है और आपको अपने अनुभवी खिलाड़ी की जरूरत होगी। यह मत भूलिए कि ढाई साल पहले, उस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट श्रृंखला में परचम लहराया है। टीम के नियमित कप्तान विराट कोहली के जाने (पितृत्व अवकाश पर) के बाद उन्होंने कमाल का काम किया।

शास्त्री ने रहाणे की वापसी को उनके प्रभावशाली घरेलू प्रदर्शन का इनाम बताया। उन्होंने कहा, "लोगों को लगता है कि उसने सिर्फ तीन आईपीएल मैचों में अच्छा खेला इसलिए वह टीम में है। ऐसे लोग शायद छह महीने के लिए छुट्टी पर रहे होंगे जब वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहा था। जब आप छुट्टी पर जाते है तो आप उन 600 रनों की जानकारी से चूक जाते है।" शास्त्री ने इस मौके पर चयनकर्ताओं की बैठक में कोच को शामिल करने की मांग की। बीसीसीआई के संविधान में चयन बैठकों में कोच भाग नहीं ले सकता। इसमें केवल कप्तान ही भाग ले सकता है, लेकिन उसके पास भी मतदान का अधिकार नहीं होगा। अपने कार्यकाल के दौरान टीम चयन के बारे में पूछे जाने पर, शास्त्री ने कहा, " मेरे पास चयन बैठकों में भाग लेने का कोई अनुभव नहीं है। सात साल तक मैं टीम का हिस्सा था, मैं कभी भी चयन बैठक में नहीं गया। मुझे भी आमंत्रित नहीं किया गया था। मुझे लगता है कि आने वाले समय में कोच को इस बैठक में आमंत्रित किया जाना चाहिये।

मायर्स और स्टोनिस ने दिलाई लखनऊ को पंजाब पर शानदार जीत

नई दिल्ली। काइल मायर्स और मार्कस स्टोइनिस की आक्रामक पारियों के दम पर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने आईपीएल के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाने के बाद पंजाब किंग्स को शुक्रवार को आईपीएल के मैच में 56 रन से हरा दिया। मायर्स ने पावरप्ले में बल्ले से आग उगलते हुए 24 गेंद में 54 रन बनाये जबकि स्टोइनिस ने 40 गेंद में 72 रन की पारी खेली जिसके दम पर लखनऊ ने पांच विकेट पर 257 रन बनाये।आयुष बडोनी ने 24 गेंद में 43 और निकोलस पूरन ने 19 गेंद में 45 रन बनाये। जवाब में पंजाब की टीम 19.5 ओवर में 201 रन पर आउट हो गई। अथर्व तायडे ने 36 गेंद में 66 रन बनाये जो आईपीएल में उनका पहला अर्धशतक है।

लियाम लिविंगस्टोन (22 गेंद में 36 रन) और सिकंदर रजा (14 गेंद में 23 रन) हालांकि टिककर नहीं खेल सके। कप्तान शिखर धवन तीन मैचों के बाद लौटे लेकिन दो गेंद ही खेल पाये। युवा तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने चार ओवर में 37 रन देकर चार विकेट लिये। लखनऊ की यह आठ मैचों में पांचवीं जीत थी जबकि पंजाब की आठ मैचों में चौथी हार रही। पंजाब का स्कोर एक समय 15 ओवर में चार विकेट पर 152 रन था लेकिन आखिरी पांच ओवर में 106 रन बनाकर लगभग असंभव था। इससे पहले धवन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। राहुल चाहर को छोड़कर उनके सभी छह गेंदबाजों ने दस रन प्रति ओवर से अधिक की औसत से रन दिये। फॉर्म में चल रहे अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 54 रन दे डाले। कैगिसो रबाडा ने चार ओवर में 52 रन दिये हालांकि उन्हें दो विकेट मिले। यह आईपीएल के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के नाम है जिसने 2013 में क्रिस गेल के 175 रन की मदद से 263 रन बनाये थे। बल्लेबाजों की ऐशगाह पिच पर सिर्फ लखनऊ के कप्तान केएल राहुल नहीं चल सके और नौ गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए।

उन्हें मैच की पहली गेंद पर गुरनूर बरार की गेंद पर उन्हें जीवनदान भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाये। मायर्स ने पहले ही ओवर में अर्शदीप को चार चौके लगाये। अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और चार छक्के जहड़े। मायर्स के आउट होने के बाद स्टोइनिस और बडोनी ने 47 गेंद में 89 रन जोड़े। स्टोइनिस ने अपनी पारी में पांच छक्के और छह चौके लगाये।लखनऊ ने आखिरी छह ओवर में 73 रन बनाये। स्टोइनिस 13वें ओवर में आउट हो जाते लेकिन लांग आन पर कैच लपकने के प्रयास में लियाम लिविंगस्टोन ने सीमारेखा को छू दिया।

पीटी उषा के बयान पर साक्षी मलिक ने कहा, अगर हमारी सुनवाई हो जाती तो हम यहां बैठते भी नहीं

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने कुश्ती महासंघ इंडिया के बॉस बृजभूषण शरण सिंह द्वारा कथित यौन उत्पीड़न को लेकर पहलवानों के सार्वजनिक विरोध की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने साफ तौर पर इसे अनुशासनहीनता करार दिया है। पीटी उषा के बयान पर अब पहलवान साक्षी मलिक ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। साक्षी मलिक ने कहा कि ये सुनकर बहुत दुख हुआ क्योंकि एक महिला खिलाड़ी होके वे महिला खिलाड़ियों की नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बचपन से उनको फॉलो करते आए हैं। उनसे प्रेरित भी हुए हैं कि उन्होंने देश के लिए इतना अच्छा किया है। इस दौरान साक्षी मलिक काफी भावुक भी नजर आईं। उन्होंने कहा कि हमने कहां अनुशासनहीनता कर दी? हम तो शांति से यहां बैठे हैं। अगर हमारी सुनवाई हो जाती तो हम यहां बैठते भी नहीं। 3 महीने इंतज़ार करने के बाद हम यहां बैठे हैं। बजरंग पूनिया ने कहा कि हमें आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से ऐसे कड़े जवाब की अपेक्षा नहीं थी, हमें उम्मीद थी कि वह हमारा साथ देंगी। इससे पहले प्रदर्शनकारी पहलवानों पर बरसते हुए भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि सड़कों पर प्रदर्शन अनुशासनहीनता है और इससे देश की छवि खराब हो रही है।

कुश्ती महासंघ प्रमुख के खिलाफ दो प्राथमिकी, प्रदर्शनकारी पहलवानों के लिये बढ रहा समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदर्शनकारी पहलवानों के लिये लगातार बढ रहे समर्थन के बीच दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ सात महिला पहलवानों द्वारा लगाये गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले में शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज की। दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की उच्चतम न्यायालय की पीठ को बताया कि प्राथमिकी शुक्रवार को दर्ज की जाएगी। पहली प्राथमिकी एक अवयस्क पहलवान के आरोपों पर पोस्को कानून के तहत दर्ज की गई जबकि दूसरी मर्यादा को ठेस पहुंचाने के संबंध में है।

मेहता की दलील के बाद यहां के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने 'जीत की ओर पहला कदम' करार दिया। उन्होंने हालांकि कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी के इस सांसद को उनके सभी पदों से हटाये जाने तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप लगाने वाले पहलवान 23 अप्रैल को अपना आंदोलन दोबारा से शुरू करने के बाद से उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। फिल्म और खेल जगत और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन किया और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने तुरंत कार्रवाई की मांग की। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कहा कि दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये।खिलाड़ियों में चोपड़ा के अलावा मुक्केबाज निकहत जरीन, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा, हॉकी स्टार रानी रामपाल, क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, इरफान पठान और मदन लाल ने भी पहलवानों का समर्थन किया।

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने ट्वीट किया ," शर्मनाक है कि हमारे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को यौन उत्पीड़न के मामले में सड़कों पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है लेकिन दोषी भाजपा सांसद को सरकार लगातार बचा रही है।" उच्चतम न्यायालय की पीठ बृजभूषण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने पर सात महिला पहलवानों की याचिका पर सुनवाई कर रही है। पहलवानों की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने एक सीलबंद कवर में हलफनामा दर्ज किया जिसमें यौन उत्पीड़न की कथित आरोपी नाबालिग लड़की की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। पीठ ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस आयुक्त को नाबालिग लड़की को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिये हैं।

किसी का नाम लिये बिना सिब्बल ने कहा कि 'इस व्यक्ति' के खिलाफ 14 मामले लंबित है जिनमें से एक धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत है। इस बीच साक्षी मलिक ने जंतर-मंतर पर संवाददाताओं से कहा, "यह जीत की ओर पहला कदम है, लेकिन हमारा विरोध जारी रहेगा।" पहलवानों ने जंतर-मंतर पर बृजभूषण के खिलाफ चल रही सभी आपराधिक कार्यवाही को सूचीबद्ध करने वाला एक बड़ा बैनर लगाया है। पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि दिल्ली पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने में छह दिन लग गए और उन्हें जांच एजेंसी पर भरोसा नहीं है।

विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश ने कहा, "वह (पुलिस) एक कमजोर प्राथमिकी दर्ज कर सकती है। हम देखेंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर निर्णय लेंगे (विरोध प्रदर्शन खत्म करने पर)। उसे (बृजभूषण को) सलाखों के पीछे होना चाहिए और उसे सभी मौजूदा पदों से हटा दिया जाना चाहिए, अन्यथा वह जांच प्रभावित करने की कोशिश करेगा।" विपक्षी दलों ने इस बीच भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा को आड़े हाथों लेते लिया जिन्होंने प्रदर्शनकारियों की आलोचना की थी। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि खिलाड़ियों की अनदेखी करने और उनकी बात नहीं सुनने से देश की छवि खराब हुई है।

कतर को मिली बास्केटबॉल विश्व कप के आयोजन की जिम्मेदारी, 2027 में होना है वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर बास्केटबॉल फेडरेशन को फीबा बास्केटबॉल वर्ल्डकप 2027 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस विश्व कप के सभी खेलों का आयोजन दोहा में किया जाएगा। फीबा का सेंट्रल बोर्ड लगाई गई बोलियों से प्रभावित हुआ। दोहा में होने वाले इस इवेंट में 32 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें सभी मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप के आयोजन को लेकर फीबा ने कहा कि 32 टीम इवेंट में सभी खेलों का मंचन किया जाएगा। फीबा ने मेट्रो सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क आदि को लेकर कहा कि यहां हर तरह की सुविधाएं खिलाड़ियों, टीमों और दर्शकों के लिए उपलब्ध है। बता दें कि हाल ही में कतर में फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन नवंबर और दिसंबर के महीने में हुआ था। हालांकि फुटबॉल विश्व कप की तैयारी के दौरान कतर को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। दरअसल कतर में प्रवासी मजदूर के साथ दुर्व्यवहार की घटना सामने आई थी जिसके बाद काफी आलोचना भी हुई थी। फीबा ??ने 2023 टूर्नामेंट ड्रा की पूर्व संध्या पर अपने निर्णय की घोषणा में श्रम या मानवाधिकारों के मुद्दों का कोई संदर्भ नहीं दिया था। इस आयोजन की खास बात है कि इसका आयोजन सिर्फ एक ही शहर में होगा। ऐसे में सभी टीमें, दर्शक आदि अपने लिए पहले से ही योजना बना सकते है। इस आयोजन के जरिए उन्हें एक अनोखा अनुभव होगा। बता दें कि दोहा की खासियत है कि यहां एक जगह से दूसरी जगह जाने की अधिकतम दूरी सिर्फ 30 मिनट की है। इससे अधिक समय कहीं पहुंचने में नहीं लगता है। बता दें कि पुरुष बास्केटबॉल विश्व कप के लिए फीबा ने सभी स्थानों का निर्माण पहले ही कर लिया है, जबकि व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली हरित प्रौद्योगिकियाँ फीबा ??बास्केटबॉल विश्व कप 2027 को कार्बन-न्यूट्रल इवेंट के रूप में वितरित करने में मदद करेंगी। इस टीम को मिलेगी डायरेक्ट एंट्री बता दें कि 89वें नंबर की कतर टीम मेजबान के रूप में स्वतः ही क्वालीफाई कर लेगी। कतर ने आखिरी बार 2006 विश्व चैंपियनशिप में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था और अपने सभी पांच गेम हार गया था। कतर पुरुषों के टूर्नामेंट का तीसरा सीधा एशियाई मेजबान है। चीन ने 2019 की मेजबानी की और फिलीपींस, जापान और इंडोनेशिया ने इस साल के संस्करण की मेजबानी 25 अगस्त-सितंबर से की। 12. स्पेन डिफेंडिंग चैंपियन है। 2026 में महिला विश्व कप की मेजबानी जर्मनी द्वारा बर्लिन में की जाएगी, फीबा ??ने भी शुक्रवार को फैसला किया।

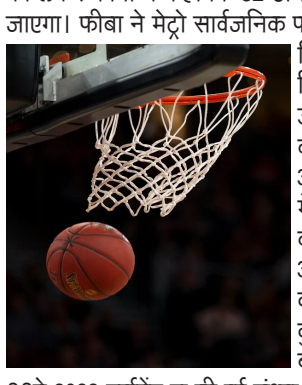

साहा ने बताया सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए खेलने पर है उनका फोकस

कोलकाता। अजिंक्य रहाणे की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी अनुभवी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हो सकती है, लेकिन रिद्धिमान साहा ने शुक्रवार को कहा कि उनका ध्यान केवल मौजूदा काम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा करने पर है। साहा विकेटकीपिंग के साथ गुजरात टाइटंस के लिए पारी का आगाज करते है और वह टीम के अहम सदस्य है। साहा से जब पूछा गया कि रहाणे को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए टीम में चुने जाने के बाद क्या वह राष्ट्रीय टीम में वापसी पर भी नजरें गड़ाए हुए हैं, उन्होंने कहा, "उनके(रहाणे) नाम पर विचार किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन अभी मेरा ध्यान केवल गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा प्रदर्शन करने पर है।" इस 38 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत के लिए अपना पिछला टेस्ट मैच दिसंबर 2021 में खेला था। टीम प्रबंधन ने इसके बाद उन्हें बता दिया था कि अब उनके नाम पर विचार नहीं किया जायेगा। साहा ने इसके बाद मीडिया में अपनी नाराजगी जताई थी जिससे तत्कालीन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली से उनके रिश्ते खराब हो गये। घरेलू स्तर पर भी उन्होंने 15 साल से अधिक समय तक बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के बाद त्रिपुरा का रुख कर लिया। वह खिलाड़ी के साथ टीम के मेंटोर भी है। साहा कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कहा, " कोलकाता मेरा घर है। मैंने यहां कई मैच खेले है। अभी मैं यहां दूसरी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। आईपीएल में मोटेरा (अहमदाबाद) मेरा घरेलू मैदान है। मेरे लिए यह अलग तरह की स्थिति है।

दूसरी टीमों के शीर्षक्रम के कई खिलाड़ी पृथ्वी से बेहतर बल्लेबाजी कर रहे हैं : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेट पर कड़ा अभ्यास करने वाले पृथ्वी साव से रिकी पोंटिंग को जल्दी ही एक अच्छी पारी की उम्मीद थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि दूसरी टीमों के कई सलामी बल्लेबाज उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। साव को छह मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद आखिरकार बाहर रखा गया और अब उनकी जल्दी वापसी मुश्किल लगती है। पोंटिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच से पहले कहा ," पिछले 12 आईपीएल मैचों (2022 के मिलाकर) से पृथ्वी ने अर्धशतक नहीं लगाया है। दूसरी टीमों के शीर्षक्रम के कई बल्लेबाज उससे बेहतर खेल रहे हैं।" इस आईपीएल में साव ने छह मैचों में 47 रन बनाये हैं। पोंटिंग ने कहा ," फॉर्म में होने पर पृथ्वी मैच विनर है। यही वजह है कि उसे टीम में बरकरार रखा गया था क्योंकि अगर वह टिक गया तो हम मैच जीत सकते हैं।" उन्होंने कहा ," इस सत्र में हालांकि वह अच्छा नहीं खेल सका। छह मैचों में करीब 40 रन बनाये है जिससे हमारा काम नहीं चलने वाला। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था लेकिन उम्मीद है कि हमने जो टीम चुनी है, वह कल का मैच जीतेगी।" उन्होंने कहा ," इस साल जब वह आया तो कुछ सप्ताह एनसीए में बिताकर आया था। उसने फिटनेस पर काफी मेहनत की है और नेट पर उसकी मेहनत को देखकर मुझे लगता था कि यह साल उसके लिये बड़ा होगा लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं।" दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम को उम्मीद है कि आने वाले मैचों में अंतिम एकादश में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

बेखौफ क्रिकेट खेलते रहेंगे केकेआर के सहायक कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच जेम्स फोस्टर ने शुक्रवार को कहा कि उतार चढाव वाले सत्र के बावजूद उनकी टीम निर्भीक क्रिकेट खेलती रहेगी। केकेआर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को हराकर जीत की राह पर वापसी की है लेकिन प्लेआफ में जगह पक्की करने के लिये उसे अभी भी बाकी छह में से कम से कम पांच मैच जीतने हैं। फोस्टर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से पूर्व कहा ," बल्लेबाजों को बेखौफ खेलने के लिये कहा गया है। हमने बैठक में यही बात की है। कई बार सब कुछ रणनीति के अनुकूल नहीं रहता लेकिन इससे दबाव कम हो जाता है। इस टीम पर दबाव नहीं है।" उन्होंने कहा कि 2021 में इसी तरह के हालात के बाद उनकी टीम फाइनल में पहुंची थी जब पहले चरण में लगातार चार हार के बाद उन्होंने वापसी की थी। उन्होंने कहा ," हमें चुनौतियां पसंद है। यह रोमांचक मौका है। हम पहले भी इस तरह के हालात से निकलकर फाइनल में पहुंचे हैं। कई खिलाड़ी उस समय भी टीम में थे। हम पूरे आत्मविश्वास के साथ यहां आये थे।" खराब फॉर्म से जूझ रहे आंद्रे रसेल और सुनील नारायण का बचाव करते हुए उन्होंने कहा ," रसेल और नारायण सुपरस्टार हैं। नारायण लंबे समय से टीम का स्टार रहा है। वह काफी मेहनत कर रहा है। कई बार विकेट मिलते हैं लेकिन कई बार आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में भी कामयाब रहते हैं। हमें कोई चिंता नहीं है।

सम्पादकीय

पाक का इरादा क्या है

पाकिस्तान ने गुरुवार को इस बात की औपचारिक पुष्टि कर दी कि उसके विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने गोवा में होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एण्ड) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने आएंगे। इस यात्रा की सूरत बनना इस लिहाज से अहम है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पिछले कुछ समय से बेहद बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अगर यह यात्रा होती है तो पिछले करीब एक दशक में पहला मौका होगा, जब पाकिस्तान का कोई बड़ा नेता भारत यात्रा पर आएगा। बिलावल न केवल पाकिस्तान के विदेश मंत्री बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बेटे और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के प्रमुख नेता भी हैं। जाहिर है, उनका आना केवल एक विदेश मंत्री का आना नहीं होगा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि भारत की ओर से आमंत्रित किए जाने और पाकिस्तान की ओर से यात्रा की पुष्टि किए जाने के बाद भी इस संभावित यात्रा के साथ यह सवाल बना हुआ है कि यह सचमुच होगी या किसी बहाने से आखिरी पलों में टाल दी जाएगी। इसका एक बड़ा कारण है कश्मीर में गुरुवार को सेना पर हुआ एक और आतंकी हमला, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। गौर करने की बात है कि भारत-पाक संबंधों में आई हालिया खटास के पीछे सबसे बड़ी भूमिका आतंकी घटनाओं की ही रही है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी शामिल हुए थे। उसे दोनों देशों के रिश्तों में एक नई पॉजिटिव शुरुआत के रूप में देखा गया था। उसके बाद अगले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अचानक नवाज शरीफ के एक पारिवारिक समारोह में शामिल होकर सबको चौंका दिया था। मगर जनवरी 2016 में पठानकोट और सितंबर 2016 में उरी में हुए आतंकवादी हमलों के बाद हालात बदलते चले गए। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवादी गतिविधियां और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकतीं। उधर, पाकिस्तान ने भी 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के फैसले को मुद्दा बना लिया। कुल मिलाकर दोनों तरफ हालात रिश्तों में सुधार के प्रतिकूल ही नजर आ रहे थे। मगर पिछले कुछ समय से स्थितियां बदलती नजर आईं। जहां पाकिस्तान असाधारण आर्थिक मुश्किलों से घिर गया और वहां भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों में सुधार के लिए दबाव महसूस किया जाने लगा, वहीं चीनी सीमा पर तनाव के मद्देनजर भारत में भी पाकिस्तान के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने की बात कही जाने लगी है। ऐसे मौके पर एण्ड के विदेश मंत्रियों की यह बैठक एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है। लेकिन मूल सवाल यही है कि क्या पाकिस्तान आतंकी तत्वों की हरकतों पर लगाम लगाने की भारत की बुनियादी मांग को सम्मान देने की इच्छा शक्ति दिखा पाएगा?

यूपी निकाय चुनाव में भाजपा नेताओं ने कई जगह 'जेबी' लोगों को टिकट देकर कार्यकर्ताओं का हक मार दियों

भारत के राजनीतिक गलियारों में 'भारतीय जनता पार्टी' की देश के आम मतदाता के बीच एक विशेष पहचान बनी हुई है, वह अपने अनुशासन, आदर्श, सरलता व सभ्यता के लिए पहचानी जाती है। हालांकि देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग भी 'भाजपा' को एक तरफ तो सनातन धर्म व संस्कृति और हिन्दुत्व विचारधारा के कट्टर समर्थक के तौर पर देखना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ वह उसे राजनीति में ईमानदारी, शुचिता व सभ्यता के सिद्धांतों पर चलने वाली एक कैडर आधारित पार्टी भी मानता है। वैसे धरातल पर देखा जाए तो इसके चलते ही देश में लंबे समय से सार्वजनिक मंचों से 'भारतीय जनता पार्टी' का शीर्ष नेतृत्व ताल ठोंक कर के 'भाजपा' की इस विशेषता को बता कर के देश के मतदाताओं को अपने पक्ष में लुभाने का कार्य भी निरंतर करता रहता है। वैसे भी बड़ी संख्या में देश के आम जनमानस का भी यह मानना है कि 'भाजपा' अपनी इस विशेष पहचान व राजनीतिक शुचिता के अपने सिद्धांतों पर चलते हुए ही आज देश की अन्य पार्टियों के जनाधार के बीच भी तेजी के साथ मजबूत पैठ बनाने का कार्य करती जा रही है, जो भाजपा के लिए एक अच्छा संकेत है।

लेकिन हाल ही में चल रहे उत्तर प्रदेश नगर निकाय के चुनावों में टिकट वितरण के बाद जिस तरह से घमासान हुआ वह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को चिंतित कर देना वाला है। 'भाजपा' के शीर्ष नेतृत्व की नगर निकाय के चुनावों के टिकट वितरण में हस्तक्षेप ना करने की लाख चेतावनियों के बावजूद भी जिस तरह से नेताओं ने खुलेआम अपने लोगों की पैरवी करने का कार्य किया है, उससे टिकट वितरण में पार्टी के कार्यकर्ताओं का हक बड़े पैमाने पर मारा गया है। प्रदेश स्तरीय नेताओं ने कार्यकर्ताओं की जगह अपने जेबी लोगों को टिकट दिलवाने के चक्कर में जिस तरह से 'साम दाम दण्ड भेद' की नीति को अपनाकर के पार्टी का अहित करने का कार्य किया है, उसने स्थिति को धरातल पर खराब करने का कार्य किया है। चंद राजनेताओं के द्वारा कार्यकर्ताओं की जगह केवल अपने-अपने समर्थकों को टिकट दिलवाने की इस अंधाधुंध होड़ में ही जगह-जगह टिकट वितरण पर नाम घोषित होने के बाद जमकर हंगामा बरपा है। नगर निकाय के टिकट वितरण विवाद के इस घमासान पर नज़र डालें, तो उससे धरातल पर आम जनमानस की 'भाजपा' के संदर्भ में बनाई गई सकारात्मक छवि की धारणा को जबरदस्त नुक़सान पहुंचाने का कार्य पार्टी के ही चंद राजनेताओं के द्वारा अपने-अपने क्षणिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए किया गया है। वहीं इन नेताओं की हरकतों ने पार्टी के आम कार्यकर्ताओं का हक मारकर उनको निराश करने का कार्य किया है। टिकट वितरण के बाद उत्पन्न आक्रोश और नारेबाजी बंद कमरों और पार्टी कार्यालय तक तो ठीक थी, लेकिन आक्रोश को कुचलने के लिए जिस तरह से मीडिया के सामने व पार्टी के दिग्गज राजनेताओं के सामने ही चंद राजनेताओं के इशारों पर उनके गुर्गों ने कार्यकर्ताओं के साथ गाली-गलौज, धक्का-मुक्की व मारपीट करने की घटनाओं को घटित करने का दुस्साहस किया है, यह स्थिति पार्टी के लिए आज

के समय के साथ-साथ भविष्य के लिहाज से भी बेहद नुकसानदायक है और आम जनमानस के बीच पार्टी की छवि को नकारात्मक रूप से प्रदर्शित करने का कार्य बखूबी कर रही है, जो कि पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के हित में बिल्कुल भी उचित नहीं है। वहीं साथ ही इन लोगों की हरकत 'भाजपा' को सबसे अलग व अनुशासित पार्टी बताने के दावे पर भी प्रश्नचिन्ह लगाने का कार्य कर रही है। इन चंद राजनेताओं को समय रहते समझना चाहिए कि राजनीति में हमारे आपस में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन यह कभी भी मनभेद में तब्दील नहीं होने चाहिए, क्योंकि आपस में मनभेद होना पार्टी व व्यक्ति दोनों के हित में ही उचित नहीं है। जिस तरह से यूपी नगर निकाय के दूसरे चरण के चुनावों के नामांकन के अंतिम दिन गाजियाबाद में आपस में मार-पिटाई हुई है, वह 'भाजपा' के लिए उचित नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम पर नज़र डालें तो जब शीर्ष नेतृत्व के द्वारा खोड़ा नगर पालिका परिषद के सभासद पद हेतु घोषित उम्मीदवारों को पार्टी का सिंबल देने में ना-नुकुर की गयी, तो इस विवाद के समाधान के लिए देश के पूर्व सेनाध्यक्ष, केन्द्रीय राज्यमंत्री व गाजियाबाद के सांसद जनरल डॉक्टर वी.के. सिंह की बेटी भाजपा के चुनाव कार्यालय पर पहुंची, जहां पर राजनीतिक विरोध में अंधे हो चुके चंद राजनेताओं व उनके गुर्गों ने एक महिला के सामने कैसे बात की जाती है, इस गरिमा तक का जरा भी ध्यान ना रखते हुए जमकर के गाली-गलौज करने का कार्य किया, हालांकि बाद में टकराव वाली यह स्थिति मार-पिटाई की शर्मनाक घटना में बदल गई। लेकिन विचारणीय तथ्य यह है कि देश के एक बेहद सम्मानित परिवार की बेटी के सामने ऐसी स्थिति उत्पन्न कर देना बेहद शर्मनाक आपराधिक कृत्य है, वहीं इस स्थिति पर वहां पर उपस्थित अन्य राजनेताओं का तमाशबीन बन करके खड़े रहना बिलकुल ही समझ से परे है।

हालांकि बाद में काफी छिछालेदर होने के बाद भाजपा को अपनी बपौती मानकर बैठे इन चंद मठाधीशों को खोड़ा नगर पालिका के उन सभी सभासद पद के प्रत्याशियों को पार्टी का सिंबल देना ही पड़ा, तब कहीं जाकर यह विवाद शांत हुआ। लेकिन चुनावी माहौल होने के चलते मार-पिटाई की इस घटना की वीडियो बहुत ही तेजी से वायरल होने के चलते, उसने वहां उत्पन्न स्थिति की पोल देश व दुनिया के सामने खोलने का कार्य करते हुए, पार्टी की छवि को बट्टा लगाने का कार्य तब तक कर दिया। वैसे इस स्थिति पर विचारणीय तथ्य यह है कि किस तरह से 'भाजपा' के संगठन में बैठे चंद लोग अपने क्षणिक स्वार्थ के लिए दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी 'भाजपा' की छवि को पलीता लगाने का कार्य कर रहे हैं और शीर्ष नेतृत्व की पार्टी को मजबूत करने के लिए की जा रही मेहनत को खराब करने का दुस्साहस कर रहे हैं।

इस शर्मनाक स्थिति पर पार्टी के आम कार्यकर्ताओं का नाम ना छापने की शर्त पर विचारों का सार यह है कि आज उत्तर प्रदेश 'भाजपा' में छोटे व बड़े पदों पर आसीन कुछ भ्रष्ट मौकापरस्त लोगों ने पार्टी की छवि को खराब करके उस पर बट्टा लगाने का ठेका ले लिया है, वह पार्टी को मजबूत करने की जगह निरंतर गलत हथकंडे अपनाकर के धन एकत्र करने में व्यस्त हैं। आज धरातल पर आलम यह है कि इन चंद लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पार्टी को मजबूत करने के लिए की जा रही दिन-रात मेहनत पर पानी फेरने का ठेका ले लिया है, जिस स्थिति को 'भाजपा' को अपने खून पसीने से सींचने वाला आम कार्यकर्ता बिल्कुल भी सहन नहीं करने के मूड में है।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि 'भाजपा' के कुछ राजनेताओं ने यूपी नगर निकाय चुनावों के टिकट वितरण में जमकर के बंदरबांट का खेल करके, 'भाजपा' के शीर्ष नेतृत्व को गुमराह करने का दुस्साहस करते हुए, कार्यकर्ताओं के हक को मारकर के उनको छलने का कार्य किया है, उन्होंने टिकट वितरण में जेबी लोगों व पैसे वालों को तरजीह देकर के 'भाजपा' के कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने का कार्य बहुत ही चालाकी से भाजपा में रहते हुए ही बखूबी कर दिया है। खैर जो भी हो लेकिन यह स्थिति मन को झकझोर देती है कि जिन नेताओं को एक सेना के सर्वोच्च पद पर आसीन बेहद सम्मानित व्यक्ति की सुपुत्री के सामने बात करने तक की सभ्यता ना हो, वह लोग भी 'भाजपा' जैसी पार्टी में राजनेता बन करके सार्वजनिक मंचों से देश व समाज की सेवा करने, सभ्य होने व पार्टी के प्रति पूर्ण रूप से वफादार होकर के समर्पित होने का झूठा दंभ कितनी आसानी से भरते हैं। लेकिन अब देखने वाली बात यह है कि 'भाजपा' का शीर्ष नेतृत्व अपने ऐसे राजनेताओं पर क्या कोई कार्यवाही करता है या नहीं, या फिर 'भाजपा' को अन्य राजनीतिक दलों के पदचिन्हों पर चलने के लिए यूं ही छोड़ देता है।

मोदी की केरल यात्रा दर्शाती है कि प्रयासों की निरंतरता ही एक दिन सफलता दिलाती है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के दो दिवसीय दौरे के दौरान जहां राज्य की जनता को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं वहीं जनता ने भी मोदी के स्वागत में जिस तरह पलक पांवड़े बिछाये वह दर्शाता है कि भगवान का खुद का देश कहे जाने वाले केरल में भी कमल खिल सकता है। कोच्चि और तिरुवनंपुरम में प्रधानमंत्री के रोड शो के दौरान उनका अभिवादन करने के लिए जिस तरह भीड़ उमड़ी वह कोई राजनीतिक आयोजन नहीं बल्कि जनता की स्वतः स्फूर्त प्रतिक्रिया थी जो अपने उस प्रधानमंत्री को देखने और उनका स्वागत करने उमड़ी थी जोकि बिना किसी भेदभाव के केरल को सारी सुविधाएं दे रहे हैं। केरल में महिलाएं यदि आरती की थाली लेकर प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए खड़ी थीं तो यह दर्शाता है कि विपक्ष दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता पर भले कितने आरोप लगाये लेकिन जनता जानती है कि लोकतंत्र का रखवाला और जनता की सुध लेने वाला नेता कौन है?

केरल की जनता ने भले भाजपा की झोली वोटों से नहीं भरी लेकिन प्रधानमंत्री ने इस राज्य के प्रति अपने प्यार में जरा भी कमी नहीं होने दी। बल्कि 2019 में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री ने सबसे पहले केरल का ही दौरा किया था और भगवान श्रीकृष्ण गुरुवायुर के मंदिर में पूजन किया था। भारतीय संस्कृति की विविधताओं के प्रति मोदी के मन में गहरा सम्मान है इसीलिए जब वह किसी राज्य की यात्रा पर जाते हैं तो वहां की संस्कृति और लोकाचार में रंग जाते हैं। केरल दौरे के दौरान भी प्रधानमंत्री पारम्परिक वेशभूषा में दिखे जिसे हर किसी ने सराहा।

जहां तक प्रधानमंत्री की यात्रा से केरल को मिली सौगातों की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने इस दौरान राज्य की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद केरल सेंट्रल स्टेडियम से कोच्चि वाटर मेट्रो सेवा सहित कई अन्य विकास परियोजनाओं की भी शुरुआत की। हम आपको बता दें कि कोच्चि शहर के साथ निर्बाध संपर्क के लिए बैटरी चालित इलेक्ट्रिक हाइब्रिड नौकाओं के माध्यम से कोच्चि के आसपास के 10 द्वीपों को जोड़ने वाली यह अपनी तरह की अनूठी परियोजना है। प्रधानमंत्री ने यहां 3200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री ने विभिन्न रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड, वर्कला, शिवगिरी रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और निमोन व कोचुवेली सहित तिरुवनंतपुरम क्षेत्र के व्यापक विकास और तिरुवनंतपुरम-शोरानूर खंड की सेक्शनल गति में वृद्धि की परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम में डिजिटल साइंस पार्क की आधारशिला भी रखी। हम आपको बता दें कि डिजिटल साइंस पार्क की परिकल्पना शिक्षाविदों के सहयोग से उद्योग और व्यावसायिक इकाइयों द्वारा डिजिटल उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने के लिए एक प्रमुख शोध सुविधा के रूप में की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री ने सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में विद्युतीकृत डिंडीगुल-पलानी-पलक्कड़ खंड की आधारशिला भी रखी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने केरल में विभिन्न गिरजाघरों के शीर्ष पादरियों से मुलाकात कर 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में इस प्रभावशाली अल्पसंख्यक समुदाय से संपर्क साधने की भाजपा की कोशिशों को और आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री की यह कोशिशें कितना रंग लाती हैं यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे लेकिन प्रधानमंत्री अपने प्रयासों से यह दर्शा रहे हैं कि वह कठिन से कठिन क्षेत्र में भी लगातार कोशिशें करते रहते हैं क्योंकि प्रयासों की निरंतरता ही एक ना एक दिन जरूर सफल बनाती हैं।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्यार से समझाने के चक्कर में प्यार बढ़ता गया और हम दुनिया की सबसे अधिक आबाद वाला देश बन गये

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार भारत की आबादी बढ़कर 142.86 करोड़ हो गई है और अब हम चीन को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश बन गये हैं। वैसे तो किसी मामले में नंबर वन पर आना अच्छी बात है लेकिन आबादी के मामले में नंबर वन होना दर्शाता है कि देश के समक्ष जो तमाम तरह की चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं उनकी संख्या में महा-इजाफा होने वाला है। देखा जाये तो देश के राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के चलते आबादी की सुनामी से पैदा होने वाले खतरों को लगातार अनदेखा कर रहे हैं जिसकी सजा देश को भुगतनी पड़ रही है। यही कारण है कि एक तरफ जब एक हजार नियुक्ति पत्र बंटते हैं तो दूसरी तरफ एक करोड़ बेरोजगारों की नयी फौज खड़ी हो जाती है, एक ओर एक अस्पताल या स्कूल बनता है तो दूसरी ओर 100 और अस्पतालों और स्कूलों की जरूरत पड़ जाती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के आंकड़ों पर गौर करें तो भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 (वर्ष) आयु वर्ग की, 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत 10 से 24 आयु वर्ग, 68 प्रतिशत 15 से 64 आयु वर्ग की और सात प्रतिशत आबादी 65 वर्ष से अधिक आयु की है। यानि आबादी का जो सर्वाधिक प्रतिशत है वह 15 से 64 साल की उम्र वर्ग का है। यही वह वर्ग है जिसके लिए बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज और नौकरियां चाहिए। लेकिन संसाधन सीमित हैं और आबादी बड़ी है इसलिए समस्या गहराती जा रही है। इन आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि भारत की सबसे अधिक यानि 25.4 करोड़ आबादी युवा (15 से 24 वर्ष के आयुवर्ग) की है। देखा जाये तो युवाओं की यह ताकत नवाचार, नई सोच और समस्याओं के स्थायी समाधान का स्रोत हो सकती है। सरकारें शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, रोजगार गारंटी अधिकार, भोजन का अधिकार आदि आदि कानून तो बना दे रही हैं लेकिन उन्हें बताना चाहिए कि जब बुनियादी ढांचे और संसाधनों का अभाव है तो देश के नागरिक यह अधिकार हासिल कैसे होंगे? समय आ गया है कि इस मुद्दे पर संसद और विधानसभाओं में चर्चा हो, केंद्र और राज्य स्तर पर सर्वदलीय बैठकें हों, देश की जनता की भी राय जानी जाये और आम सहमति बना कर बढ़ती जनसंख्या की समस्या से निबटने के उपायों को तत्काल लागू किया जाये। यदि हमने कदम नहीं उठाये तो संयुक्त राष्ट्र का यह अनुमान भी सही साबित हो जायेगा कि भारत की आबादी करीब तीन दशकों तक बढ़ती रहेगी और 165 करोड़ पर पहुँच जायेगी।

अमृतपाल सिंह मामले से निबटने में केंद्र और पंजाब सरकार ने बड़ी सूझबूझ का परिचय दिया

वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पुलिस ने मोगा जिले से गिरफ्तार कर लिया है जो 18 मार्च से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन लेकर गई, जहां से उसे असम के डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। खालिस्तान की मांग का समर्थन करने वाले अमृतपाल सिंह के गिरफ्तार होने के बाद अब अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूरे घटनाक्रम पर कहा कि पिछले कुछ दिनों से पंजाब के अमन-शांति को बर्बाद करने की कोशिश की जा रही थी। अगर चाहते तो उस दिन ही सभी को पकड़ लिया जाता लेकिन पंजाब सरकार कोई खून-खराबा नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा, पंजाब में पिछले कुछ महीनों से कानून-व्यवस्था और अमन-शांति को तोड़ने की कोशिश हो रही थी, जैसे ही हमें इसकी जानकारी मिली हमने एक्शन लिया। हम किसी बेकसूर को तंग नहीं करेंगे। हम कोई बदले की राजनीति नहीं करते। मान ने कहा कि वो 3.5 करोड़ पंजाबियों का इस बात के लिए धन्यवाद करते हैं कि इस 35 दिनों में उन्होंने अमन-शांति और आपसी भाईचारे को बनाकर रखा। देखा जाये तो पंजाब में कृषि का जबरदस्त विकास मुख्यतः हरित क्रांति का परिणाम है, जिसने राज्य में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी की शुरुआत की। अधिक पैदावार वाले गेहूँ और चावल के बीजों के आगमन के साथ ही इन फसलों के उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई। पंजाब का लगभग समूचा कृषि क्षेत्र सिंचित है और इस प्रकार यह देश का सर्वाधिक सिंचित प्रदेश है। सरकारी नहरें और नलकूप सिंचाई के प्रमुख साधन हैं। यहां के लोग संपन्न एवं मिलनसार होते हैं। गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस के आईजी (हेडक्वॉर्टर्स) सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि अमृतपाल सिंह के खलिफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की गई है। देर से ही सही, पंजाब पुलिस ने इस उग्र और अराजक खालिस्तानी समर्थक को पकड़ने में सफलता हासिल की। आखिरकार भगोड़े अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी गिरफ्तारी के संदर्भ में यह तथ्य चिंताजनक है कि वह एक गुरुद्वारे में शरण लिए हुए था। आखिर पंजाब के साथ देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने एक चरमपंथी को गुरुद्वारे में शरण क्यों मिली? इस प्रश्न का उत्तर न केवल संबंधित गुरुद्वारे के व्यवस्थापकों को देना चाहिए, बल्कि उन पंथिक संगठनों को भी, जो पंजाब के माहौल में जहर घोल रहे अमृतपाल की निंदा करने की बजाय पंजाब सरकार और पुलिस पर अनावश्यक सवाल उठाने में लगे हुए थे। अमृतपाल के इरादे कितने खतरनाक थे, इसका पता इससे चलता है कि वह खुद को भारतीय

नागरिक मानने से तो इंकार करता ही था, अपनी एक निजी सेना बनाने की तैयारी भी कर रहा था। उसके इरादों पर पानी फिरा तो इसीलिए, क्योंकि पंजाब में अब अलगाववादी सोच के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। चंद सिरफिरे मुट्ठी भर तत्व ही खालिस्तान की आवाज उठाते रहते हैं। इन तत्वों को सिर उठाने का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए। यह तभी संभव होगा, जब पंजाब के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठन अमृतपाल सरीखे खतरनाक तत्वों के खिलाफ एक सुर में बोलेंगे। जब मामला राष्ट्रीय सुरक्षा का हो तब फिर संकीर्ण स्वार्थों वाली राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी जिस जगह से हुई वो इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि मोगा जिले का रोडे, ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान मारे गए जरनैल सिंह भिंडरांवाले का गाँव है। इसी गाँव में पिछले साल सितंबर में अमृतपाल को 'वारिस पंजाब दे' संगठन का मुखिया बनाया गया था। अमृतपाल सरीखे अराजक, अलगाववादी और विभाजनकारी तत्व की पैरवी करना आग से खेलना है। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि विभिन्न पंथिक संगठनों ने उस अराजकता के खिलाफ आवाज उठाने में संकोच क्यों किया, जो अजनाला थाने में अमृतपाल और उसके समर्थकों की ओर से की गई थी। अजनाला में केवल अराजकता ही नहीं की गई थी, बल्कि श्री गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी भी की गई थी। इस बेअदबी की जांच कराने वाले जिस तरह मौन साध कर बैठ गए, उससे वे स्वतः ही कठघरे में खड़े दिख रहे हैं। अमृतपाल को गिरफ्तार करके डिब्रूगढ़ भेज दिया गया है, लेकिन उससे गहन पूछताछ करने की आवश्यकता है, ताकि यह जाना जा सके कि वह दुबई से अचानक पंजाब किसके इशारे पर आया और किनके सहयोग और समर्थन से उसने पंजाब में अराजकता का माहौल बनाना शुरू किया। यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं हुआ कि पंजाब के कुछ संगठन उसे दबे-छिपे रूप में और कुछ खुले तरीके से समर्थन दे रहे थे। वास्तव में इसी कारण वह भिंडरांवाला के गांव जाकर खुद को एक उपदेशक के रूप में पेश करने में सफल रहा। स्पष्ट है कि उसके समर्थकों को भी कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है। राजनीतिक दल के नेताओं ने अपने-अपने ढंग से इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। केजरीवाल ने लिखा, सीएम भगवंत मान साहिब ने इस मिशन को परिपक्वता और साहस से पूरा किया। बिना किसी रक्तपात और गोली चलाए पंजाब पुलिस ने कामयाबी हासिल की।' आम आदमी पार्टी के ही राज्य सभा सांसद संजय सिंह इस गिरफ्तारी को साहसिक कदम बताया है। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी पर शिरोमणि अकाली दल ने कहा है कि अब पंजाब पुलिस को सिख नौजवानों की बेवजह गिरफ्तारी रोक देनी चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी में हुई देरी को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कानून के हाथ लंबे होते हैं। दहशत और भय फैलाने वालों पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। थोड़ा ज्यादा समय लगा पंजाब को, ये जल्दी होता तो और अच्छा था।' वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस की तारीफ करके संकेत दे दिया कि राजनीतिक भेद-मतभेद चाहे जितने भी हों, लेकिन जब बात राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने की हो, तो उनसे ऊपर उठना हम जानते हैं। इस दौरान अकाल तख्त ने जिस बारीकी से धर्म और उसके दुरुपयोग के बीच फर्क को रेखांकित करते हुए खुद को अमृतपाल की करतूतों से अलग किया, वह न केवल सराहनीय है बल्कि आगे के लिए भी मिसाल पेश करता है। सही समय पर दिखाई गई यही सावधानी, गंभीरता और जिम्मेदारी की भावना किसी राष्ट्र की असली ताकत होती है। यह सराहनीय है कि अमृतपाल के मामले में पंजाब और केंद्र सरकार ने आपसी सहयोग और समन्वय का परिचय दिया। यह आगे भी कायम रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

डच की अदालत ने 550 बच्चों के जैविक पिता को और शुक्राणु दान करने से रोका

लंदन। नीदरलैंड की एक अदालत ने विभिन्न देशों में कम से कम 550 बच्चों का जैविक पिता बनने वाले एक व्यक्ति को और शुक्राणु दान करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अदालत ने शुक्रवार को यह आदेश जारी किया। शुक्राणु दान करने वाले व्यक्ति पर भावी माता-पिताओं को इस बारे में भी गुमराह करने का आरोप है कि उसने कितनी संतानों के लिए गर्भधारण करने में मदद की। हेग जिला न्यायालय के एक न्यायाधीश ने व्यक्ति के शुक्राणु की मदद से गर्भधारण करने वाली एक महिला और अन्य माता-पिताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक फाउंडेशन की याचिका पर यह रोक लगाने का आदेश दिया। ईवा के रूप में अपनी पहचान उजागर करने वाली याचिकाकर्ता महिला ने अदालत के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, "मुझे उम्मीद है कि इस फैसले से सामूहिक (शुक्राणु) दान पर प्रतिबंध लगेगा। हमें अपने बच्चों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहना चाहिए और इस अन्याय के खिलाफ उनकी रक्षा करनी चाहिए।" अदालत ने कहा कि नीदरलैंड के दिशानिर्देशों के तहत, शुक्राणु दाता को 12 माताओं को अधिकतम 25 बच्चे पैदा करने के लिए शुक्राणु दान करने की अनुमति है और दाता ने अपने शुक्राणु दान के इतिहास के बारे में भावी माता-पिताओं से झूठ बोला।

पोप फ्रांसिस ने यूरोप से यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए एकजुट प्रयास करने का आह्वान किया

कीव। पोप फ्रांसिस ने यूरोप से यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का शुक्रवार को आग्रह किया और कहा कि इस महाद्वीप को समस्या के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करना चाहिए। हंगरी की तीन दिवसीय यात्रा पर आये फ्रांसिस ने यूरोप के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने मांग की कि यूरोपीय संघ प्रवासियों के प्रवेश के लिए सुरक्षित और कानूनी तरीकों को मंजूरी दे और हंगरी सरकार लोकलुभावन मांगों के लिए यूरोप को "बंधक" नहीं बनाये। उन्होंने कहा कि यूरोप को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी और लोगों को एकजुट करना होगा। पोप फ्रांसिस ने रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया और यूक्रेनी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

भारतीय चालक दल वाले तेल टैंकर को जब्त करते ईरानी कमांडो की फुटेज टीवी पर प्रसारित

कीव। नकाबपोश ईरानी नौसेना के कमांडो ने ओमान की खाड़ी में अमेरिका जा रहे एक तेल टैंकर को जब्त करने के लिए एक हेलीकॉप्टर की मदद से धावा बोला जिसके फुटेज का प्रसारण ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल पर शुक्रवार को किया गया। इस पोत के चालक दल के सभी 24 सदस्य भारतीय हैं। तुर्की द्वारा प्रबंधित और चीनी स्वामित्व वाले इस टैंकर को ईरान द्वारा जब्त किये जाने की यह नवीनतम घटना है। परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने को लेकर अमेरिका के साथ उसके तनाव के बीच यह घटना हुई है। टैंकर के प्रबंधक ने बयान जारी करके बताया कि टैंकर को एक अंतरराष्ट्रीय विवाद के आधार पर ईरानी नौसेना द्वारा एक बंदरगाह पर ले जाया जा रहा था।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हुआ दर्दनाक हादसा, गाड़ी खाई में गिरने से सेना के दो जवानों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में सेना के दो जवानों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। हादसा केरी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुआ। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी बताया कि दुर्घटना तब हुई जब बल की एक एम्बुलेंस सड़क से फिसल गई और खाई में गिर गई। अधिकारियों ने कहा कि सेना की एंबुलेंस नियंत्रण रेखा के पास डुंगी गाला के पास उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई जब उसके चालक ने तेज मोड़ पर नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एंबुलेंस चालक और एक जवान की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बचावकर्ताओं ने उनके शवों को खाई से निकाल लिया।

कर्नाटक में बोले पीएम मोदी,जनता थकी और हारी कांग्रेस को नहीं, बल्कि जोश से भरी भाजपा को चुनने वाली है

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। आज भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि मुझे यकीन है कि कर्नाटक की जनता थकी और हारी कांग्रेस को नहीं बल्कि जोश से भरी भाजपा की टीम को अवश्य चुनने वाली है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की माताओं-बहनों और बेटियों ने कांग्रेस सरकार की लापरवाही और अनदेखी की वजह से सबसे ज्यादा तकलीफें झेली हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने कभी महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और उनके रोजगार की चिंता नहीं की। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की ही सरकार है जिसने दलित, पीड़ित, वंचित, आदिवासी, महिलाओं और दिव्यांगों... ऐसे हर वर्ग को प्राथमिकता दी है।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार में आज समाज के वंचित वर्ग को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिली है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में 9 लाख ऐसे परिवार हैं जिनको अनेक पीढ़ियों के बाद अपने पहले पक्के घर में प्रवेश मिलना संभव हुआ है। कर्नाटक के मेरे लाखों बंजारा साथियों को नया जीवन देने का सौभाग्य भी मुझे प्राप्त हुआ। मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार जो भी काम करती है वो पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करती है तभी तो इतने महीनों से कर्नाटक के लाखों परिवारों को राशन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत राशन मिल रहा है, वरना पहले की तरह कांग्रेस इसमें से भी 85इ राशन डकार जाती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ के नाम पर कई योजनाएं शुरू की मगर लाभ बिचौलियों और भ्रष्टाचारियों को मिला। उन्होंने कहा कि असली लाभार्थी तक तो उसका हक पहुंचा ही नहीं था। कांग्रेस के प्रधानमंत्री ने कहा था कि केंद्र से 1 रुपया भेजते हैं तो सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है मगर 85 प्रतिशत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिस कांग्रेस ने भगवान बसवन्ना के शिक्षा को कुछ नहीं समझा, जिसने बाबा साहेब अंबेडकर का हमेशा विरोध किया, वो कांग्रेस कभी भी दलितों, पिछड़ों की कभी भी सूद नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यों में पारदर्शिता और गरीब कल्याण को सबसे आगे रखती है।

हरियाणा सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर जनसेवा की सही दिशा में आगे बढ़ रही : खट्टर

फरीदाबाद (हरियाणा) । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम इस्तेमाल कर जनसेवा की सही दिशा में आगे बढ़ रही है। खट्टर ने फरीदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में राजस्व विभाग में कार्यरत कानूनगो और पटवारियों को टैबलेट वितरित किए। इस कार्यक्रम में उन्होंने सार्वजनिक सेवा की

दिशा में डिजिटल सेवाओं की प्रगति की सराहना की। खट्टर ने कहा कि ये टैबलेट फरीदाबाद में कानूनगो और पटवारियों को ई-गिरदावरी (सर्वेक्षण), परिवार पहचान पत्र के तहत जाति सत्यापन और आय सत्यापन सहित बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने जिले में 41 कानूनगो और पटवारियों को टैबलेट वितरित करते हुए उन्हें सरकारी सेवाओं के क्रियान्वयन में प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। केंद्रीय बिजली और भारी उद्योग राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा और फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति एचएसवीपी (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे।

शिक्षा व स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता, निरोगी राजस्थान के संकल्प को साकार कर रहे हैं: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना व स्वास्थ्य का अधिकार कानून (आरटीएच) का जक्रि करते हुए शनिवार को दावा किया कि उनकी सरकार निरोगी राजस्थान के संकल्प को साकार कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा व स्वास्थ्य को राज्य सरकार की प्राथमिकता बताया।

गहलोत ने शनिवार को बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ में राजकीय प्रभा ताई ओझा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गुसांईसर बड़ा के भवन और स्टाफ क्वाट्र्स का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता शिक्षा और स्वास्थ्य है और इस दिशा में कृतसंकल्पित होकर 'निरोगी राजस्थान' के संकल्प को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 25 लाख रुपए तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा और सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क ओपीडी, आईपीडी और जांच सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गहलोत ने कहा कि राज्य में सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशन राशि न्यूनतम 1,000 रुपए कर दी गई है जिससे लोगों को संबल मिलेगा।

अपनी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर राहत प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में विद्यालय, महाविद्यालय, सड़कें, पानी और बिजली सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और मंहगाई से निजात दिलाने के लिए प्रदेश में महंगाई राहत कैंप लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 40 लाख महिलाओं को पहले चरण में रक्षाबंधन से तीन साल की इंटरनेट सेवा के साथ स्मार्टफोन निःशुल्क उपलब्ध कराएंगे। गहलोत ने कहा, "देश में पहली बार राजस्थान में स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) लागू किया गया है। पूरे देश में सराहना हो रही है। केंद्र सरकार को भी आरटीएच को लागू करना चाहिए, जिससे बिना भेदभाव सभी को चिकित्सा सुविधा मिल सके।"

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती केन्द्र (संप्रग) सरकार द्वारा कानून बनाकर खाद्य सुरक्षा, सूचना, शिक्षा एवं रोजगार गारंटी सहित कई अधिकार दिए गए। मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में उपलब्ध चिकित्सकीय व्यवस्थाओं का अवलोकन कयिा। उन्होंने कहा, "अपनी जड़ों, संस्कृति और परम्पराओं से जुड़े रहना राजस्थान के प्रवासियों की खूबी हैं। किसी भी राज्य या किसी देश में चले जाए, वहां प्रवासी राजस्थानी मिलेंगे।" इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, आपदा प्रबंधन एवं सहायता मंत्री गोविंदराम मेघवाल, महाराष्ट्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाला साहेब थोराट, ऊर्जा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी, राजस्थान स्टेट एग्रो इंडस्ट्री डवलपमेंट बोर्ड अध्यक्ष रामेश्वर डूडी, केश कला बोर्ड अध्यक्ष महेंद्र गहलोत, गुजरात से राज्यसभा सदस्य शक्ति सिंह गोहिल, विधायकगोविंद सिंह डोटासरा व बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

'महानदी से इस वर्ष सामान्य रूप से ही पानी छोड़ा गया'

छत्तीसगढ़। सरकार ने उड़ीसा के कुछ अखबारों में महानदी जल विवाद को लेकर छपे खबरों पर आपत्ति जताई है और कहा है कि राज्य ने इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में उद्योगों, निस्तारी और फसलों के लिए सामान्य रूप से ही पानी छोड़ा है। जनसपंर्क विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उड़ीसा के कुछ अखबारों में वहां के इंजीनियर इन चीफ के हवाले से खबरें प्रकाशित की गई है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने उड़ीसा के अखबारों में महानदी जल विवाद पर प्रकाशित खबरों पर आपत्ति जताई है और कहा है कि उड़ीसा के मुख्य अभियंता के हवाले से प्रकाशित खबर दोनों राज्यों के द्वारा जारी प्रोटोकाल के विरूद्ध है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में वास्तविक स्थिति यह है कि छत्तीसगढ़ ने इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में उद्योगों निस्तारी तथा फसलों के लिए सामान्य रूप से ही पानी छोड़ा है।

यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले में 19 लोगों की मौत

कीव। रूस ने तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव तथा आसपास के क्षेत्रों में 20 से अधिक क्रूज मिसाइल और दो ड्रोन दागे, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। इनमें से अधिकतर लोगों की जान मध्य यूक्रेन में एक आवासीय इमारत पर हुए दो मिसाइल हमलों में गई। कीव शहर के प्रशासन के अनुसार, लगभग दो महीने में पहली बार राजधानी के चारों ओर हवाई हमलों को लेकर आगाह करने वाले 'सायरन' बजने लगे और यूक्रेन की वायु सेना ने कीव के ऊपर 11 क्रूज मिसाइल और दो ड्रोन को रोका। उमान शहर में नौ मंजिला आवासीय इमारत पर हमला किया गया, जो कीव से लगभग 215 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित है। राजधानी क्षेत्र के गवर्नर इहोर ताबुरेत्स के मुताबिक इस हमले में तीन बच्चों समेत 17 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की राष्ट्रीय पुलिस के अनुसार, 17 लोग घायल हुए हैं और तीन बच्चों को मलबे से निकाला गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन जगहों पर क्रूज मिसाइल दागी गईं जहां यूक्रेनी सैन्य रिजर्व इकाइयां युद्ध के मैदान में अपनी तैनाती से पहले ठहरी हुई थीं। रूस के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेंकोव ने कहा, "हमले में लक्ष्य

पर सटीक निशाना साधा गया। सभी तयशुदा स्थानों को निशाना बनाया गया।" उन्होंने किसी खास क्षेत्र या आवासीय इमारतों को निशाना बनाए जाने का उल्लेख नहीं किया। पूर्वी शहर निप्रो के गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि शहर में एक हमले में 31 वर्षीय महिला और उसकी दो वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। चार अन्य लोग घायल हुए हैं। ये हमले ऐसे वक्त किए गए हैं जब कुछ दिन पहले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने फोन पर "लंबी और सार्थक" बातचीत की। उनके मुताबिक, शी ने कहा कि उनकी सरकार यूक्रेन और अन्य देशों के लिए शांति दूत भेजेगी। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि शुक्रवार के हमले दिखाते हैं कि रूस शांति समझौते में दिलचस्पी नहीं रखता। उन्होंने ट्वीट किया, "मिसाइल हमले में दो वर्षीय बच्चे समेत निर्दोष लोग मारे गए। सभी शांति प्रयासों के लिए रूस का यह जवाब है।" कीव शहर के प्रशासन के अनुसार, कीव की विमान-रोधी प्रणाली सक्रिय हो गई थी। सुबह करीब चार बजे हमलों को लेकर आगाह करने वाले 'सायरन' बजने लगे। यह सब कुछ करीब दो घंटे तक चला। यूक्रेन की राजधानी में नौ मार्च के बाद पहली बार हमले किए गए। कीव में गिराए गए मिसाइल या ड्रोन से बिजली की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। यूक्रेन के सैन्य बल के कमांडर-इन-चीफ वालेरी जालुजिनी के मुताबिक कैस्पियन सागर क्षेत्र में विमान से मिसाइल दागी गई।

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की जीवनी का न्यूयॉर्क में विमोचन

न्यूयॉर्क। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की जीवनी का अमेरिका के न्यूयॉर्क में विमोचन किया गया है। वर्तमान में भारत की जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक श्रृंगला (61) ने पिछले सप्ताह इस संबंध में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी और प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान उनकी जीवनी 'नॉट एन एक्सीडेंटल राइज' का विमोचन किया गया। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) की सहायक कंपनी 'जयपुर फुट यूएसए' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केनेथ जस्टर और न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल विशेष अतिथि थे। नॉट एन एक्सीडेंटल राइज' को सिक्किम विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपमाला रोका ने लिखा है। इससे पहले भारत में इसका विमोचन इस महीने की शुरुआत में दार्जिलिंग में हुआ था। श्रृंगला की यह जीवनी "दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, कौशल और क्षमता के बल पर भारतीय विदेश सेवा में उनके सर्वोच्च पद तक पहुंचने" का वर्णन करती है। यह जीवनी बताती है, 'उनका जीवन और कार्य उनकी विरासत, उनकी संस्कृति और उनके मूल्यों में दृढ़ता से निहित हैं।' श्रृंगला ने कहा,'यह पुस्तक न केवल मेरे करियर, बल्कि मेरे अब तक के पूरे जीवन की अच्छी तरह से शोध करके दी गई स्पष्ट जानकारी पेश करती है।' श्रृंगला ने याद किया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के देश को अपनी चपेट में लेने से ठीक पहले जब वह अप्रैल 2021 में सिक्किम गए थे तब वह पहली बार रोका से मिले थे।

सूडान में प्रतिद्वंद्वी बलों के बीच संघर्ष विराम समझौते के बावजूद राजधानी में हिंसा जारी

खार्तूम। दो शीर्ष सूडानी जनरल के बीच संघर्ष विराम समझौते के बावजूद सूडान की राजधानी खार्तूम और ओमडुरमैन शहर में शुक्रवार तड़के भारी विस्फोट और गोलाबारी हुई। देश में पिछले दो सप्ताह से इन दो जनरल के बीच सत्ता संघर्ष में सैकड़ों लोग मारे गए हैं। दो सप्ताह से चल रही लड़ाई ने राजधानी को युद्धक्षेत्र में तब्दील कर दिया और सूडान में उथल-पुथल मचा हुआ है। इसके मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों-अफ्रीकी और अरब देश, संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने प्रतिद्वंद्वी जनरल पर अपना दबाव बढ़ा रहे हैं ताकि वे इस संकट के समधान के लिए वार्ता की मेज पर आयें।

हालांकि, अब तक दोनों प्रतिद्वंद्वी पक्षों के बीच केवल नाजुक संघर्षविराम हो पाया है, जो संघर्ष को रोकने में असफल रहा है, लेकिन इसने हजारों सूडानी नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और दूसरे मुल्कों को भूमि, हवाई और जलमार्ग के जरिए अपने नागरिकों को स्वदेश लाने का पर्याप्त समय दे दिया। वहीं, तुर्किये ने कहा कि देश के नागरिकों को सूडान से बाहर निकालने के लिए पहुंचे विमानों

को खार्तूम के बाहर गोलियां लगी। हालांकि, इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ। यह तब हुआ, जब कुछ ही घंटे पहले दोनों पक्ष 72 घंटे के लिये संघर्षविराम बढ़ाने पर राजी हुए, ताकि अन्य देश अपने नागरिकों को देश से निकाल सकें। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अपने देश के नागिरकों को सूडान से बाहर निकालने के लिए वादी सईदना की ओर बढ़ रहे सी-130 विमान को "हल्के हथियारों से निशाना" बनाया गया। स्थानीय निवासियों ने खार्तूम के काफौरी में भीषण संघर्ष की सूचना दी। इससे पहले, इसी स्थान पर सेना ने अपने प्रतिद्वंद्वी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) पर बमबारी करने के लिए युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया था। सेना के मुख्यालय, सूडान में राष्ट्रपति के आवास 'रिपब्लिकन पैलेस' और खार्तूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास के क्षेत्रों में भी झड़पों की सूचना मिली है। सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक बल आरएसएफ के बीच 15 अप्रैल को संघर्ष शुरू हुआ था। ओमडुरमैन में भी एक समूह ने कैरारी जिले में शुक्रवार से लगातार विस्फोट होने की जानकारी दी और इलाके में रह रहे लोगों से सतर्क रहने को कहा। आरएसएफ ने ओमडुरमैन और खार्तूम के दक्षिण में स्थित जबल औलिया में उसके ठिकानों पर सेना द्वारा विमान से बमबारी किए जाने का दावा किया, जबकि सेना ने आरएसएफ पर हमले शुरू करने का आरोप लगाया। किसी भी पक्ष के दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती है। जनरल अब्दुल-फतह बुरहान के नेतृत्व में सूडान की सेना और जनरल मोहम्मद हमदान डागलो के नेतृत्व में 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच सत्ता संघर्ष ने सूडान के लोकतांत्रिक देश बनने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पूर्वी अफ्रीका के देशों के एक समूह ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत करने की पहल की है और मध्यस्थों का एक समूह योजना को बढ़ावा दे रहा है, जिसमें अफ्रीकी संघ, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और संयुक्त राष्ट्र शामिल हैं। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, सेना ने बृहस्पतिवार को बातचीत के लिए सहमति जतायी, लेकिन आरएसएफ की ओर से कोई बयान नहीं आया है। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बुरहान के एक विशेष दूत को मिस्र के विदेश मंत्री के साथ शनिवार को काहिरा में मुलाकात करनी है, जिसके सूडानी सेना के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी 'यूएनएचसीआर' के प्रवक्ता एफ. कसीना नेशुक्रवार को कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से लगभग 40,000 गैर सूडानी लोग खार्तूम से भाग गए हैं, जिनमें से कई व्हाइट नाइल, अल-क़ादरीफ़ और कसाला प्रांतों में शरणार्थी शिविरों में शरण लिए हुए हैं। इनमें 33,000 दक्षिण सूडानी शरणार्थी, 2,000 इथियोपियाई शरणार्थी शामिल हैं।

पीएम मोदी की लोकप्रियता के कारण कांग्रेस बहुत निराश-हताश'

राजनाथ बोले-वे लोग अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर्नाटक में भाजपा के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। उन्होंने सबसे पहले कांग्रेस पर जबरदस्त निशाना साधा। हाल में ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप कहा था। इसी को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के कारण ये लोग (कांग्रेस) बहुत निराश-हताश है और इस कारण वे अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी में ज़हर है। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मोदी जी की लोकप्रियता के कारण इन्हें जो दर्द हो रहा है उसे सहने की इन्हें शक्ति दें। रक्षा मंत्री ने कहा कि मज़हब के आधार पर आरक्षण देकर कांग्रेस पार्टी ने संविधान के साथ क्रूर मज़ाक़ किया है। हम समाज को बाँट कर राजनीति नहीं करते। उन्होंने कहा कि पीएफाई को कांग्रस ने आश्रय

देने का काम किया। हमने कहा था कि इनकी देश विरोधी गतिविधि है और हम जब आएंगे तो पीएफआई पर बैन लगाएंगे और हमने इसपर बैन लगाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा जो बोलती है वह करती है, यानी हमारी कथनी और करनी में फर्क नहीं होता। उन्होंने कहा कि ये समाज को तोड़ कर सरकार बनाना चाहते हैं। हम समाज को जोड़कर सरकार बनाना चाहते हैं। यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। राजनाथ ने कहा कि आज भारत अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो दुनिया कान खोल कर सुनती है। यूक्रेन संकट के दौरान हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे बात करके क़रीब 22000 भारतीयों को सुरक्षित निकालने का काम किया था। उन्होंने कहा कि अभी सूडान के संकट के दौरान ऑपरेशन कावेरी चला कर हमारे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया है। राजनाथ ने कहा कि नौ वर्ष हो गये केंद्र में मोदी सरकार के दामन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है। यहाँ कर्नाटक में दोबारा सरकार बनती है तो मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ कि भ्रष्टाचार करने वाले का स्थान उसका घर नहीं जेल में होगा।

प्रियंका गांधी ने पहलवानों के प्रति समर्थन जताया, सरकार पर बृजभूषण के सामने नतमस्तक होने का आरोप लगाया

नयी दिल्ली । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठे पहलवानों से शनिवार को मुलाकात कर उनके प्रति समर्थन जताया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बाहुबली एवं माफिया के सामने नतमस्तक हो गई है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सरकार बृजभूषण शरण सिंह को बचा रही है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सबसे पहले सिंह को उनके पद से हटाया जाना चाहिए। प्रियंका कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के वास्ते रवाना होने से पहले शनिवार सुबह जंतर-मंतर पहुंचीं। उन्होंने महिला पहलवानों से अलग बातचीत भी की और कुछ देर वहां बैठीं। इस दौरान, राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा भी उनके साथ थे। प्रियंका ने बाद में एक फेसबुक पोस्ट में कहा, 'ये खिलाड़ी हमारा मान हैं। ये देश के लिए पदक जीतती हैं। पूरा देश उनके साथ है। इन्हें न्याय मिले-पूरा देश यही चाहता है।' उन्होंने कहा, 'ये किसान परिवारों की बेटियां हैं। ज्यादातर खिलाड़ी मध्यम वर्ग के परिवारों से आते हैं। सबने बहुत संघर्ष किया है, बहुत कुछ सहा है और अपनी मेहनत एवं प्रतिभा से अपने देश और परिवार का नाम रोशन किया है।'

जो मुख्य बात ये कह रही हैं, उसे समझें। ये बेटियां देश का गौरव हैं। अगर इनकी नहीं सुनेंगे, तो किसकी सुनेंगे। दुनिया के पहलवानों को हराने वाली ये लड़कियां क्या अपने देश में सिस्टम से हार जाएंगी?' उन्होंने कहा, 'ये दूसरी बार धरने पर बैठी हैं। कई खिलाड़ियों ने बोला है, शिकायत की है कि उनके साथ गलत किया जाता है। कम उम्र की बच्चियों के साथ गलत हुआ है। ये बहुत बड़ी बात है। अगर इनके साथ न्याय नहीं हुआ, तो हजारों लड़कियों का हौसला और भरोसा टूट जाएगा।' कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'जब ये खिलाड़ी मंच पर चढ़ते हैं, जब ये ओलंपिक के अखाड़े में उतरते हैं, बड़े-बड़े देशों के पहलवानों से (जिन्हें कई बार इनसे अच्छी सुविधाएं मिलती हैं) लड़ते हैं, उन्हें पछाड़ते हैं, तो इनके संघर्ष में, इनकी हार और जीत में पूरा देश इनके साथ खड़ा होता है।' उन्होंने कहा, 'हजारों लड़के और लड़कियां इन्हें देखकर प्रेरणा पाते हैं कि हम भी कर सकते हैं, हम भी करेंगे।

मैं अपने अहम या गरूर को खुद पर हावी नहीं होने देतीः प्रियंका

मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस का कहना है कि हर कोई उनसे पूछता है कि उन्होंने हॉलीवुड में जगह कैसे बना ली और कोई अन्य भारतीय कलाकार यह क्यों नहीं कर पाया? उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है लेकिन उन्हें बस इतना पता है कि वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान एक साक्षात्कार में कहा, '' लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं कि कोई और ऐसा क्यों नहीं कर पाया? भारत से किसी अन्य अभिनेता ने आपकी तरह लीक से हटकर जाने की क्यों नहीं सोची? मेरे पास इसका जवाब नहीं है। '' उन्होंने कहा कि उन्हें बस इतना पता है कि उन्होंने क्या किया है वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं और शायद इसलिए ही वह आज इस मुकाम पर हैं। प्रियंका ओटीटी (ओवर द टॉप) मंच 'प्राइम वीडियो' के शो 'सिटाडेल' के अमेरिकी संस्करण के प्रीमियर के लिए भारत आईं थीं। प्रियंका के अलावा इसमें अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी मुख्य भूमिका में हैं। 'सिटाडेल' सीरीज के पहले दो धारावाहिक दुनियाभर में 28 अप्रैल को 'प्राइम वीडियो' पर 40 भाषाओं में प्रसारित किए जाएंगे। अभिनेत्री ने कहा, '' मैं भारत से हूं और यहां मैं एक बड़ी कलाकार हूं और मेरे पास 20 लोगों की टीम है। मैं वहां (हॉलीवुड में) यह नहीं करती। मैं ऑडिशन देती हूं। मुझे कमरे में जाने और अपनी प्रतिभा दिखाने में कोई हिचक नहीं है। मैं काम से नहीं डरती। मैं अपने अहम या गरूर को खुद पर हावी नहीं होने देती।'' प्रियंका ने 2012 में बतौर गायिका हॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। अदाकारा के गीत 'इन माई सिटी' और 'एक्ज़ोटिक' को काफी सराहा गया था। अदाकारा बाद में 2015 में 'एबीसी' की ड्रामा सीरीज 'क्वांटिको' में भी नजर आईं। वह एक अमेरिकी नेटवर्क की सीरीज में काम करने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री थीं। प्रियंका ने इसके बाद 2017 में अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'बेवॉच' की। हाल ही में वह 'द मैट्रिक्स रिसर्शन' में नजर आईं। हिंदी फिल्म जगत में अपने 20 साल लंबे करियर में प्रियंका 'फैशन' 'कमीने', '7 खून माफ', 'बर्फी', 'बाजीराव मस्तानी', 'दिल धड़कने दो' जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रियंका ने कहा कि चाहे बॉलीवुड हो या हॉलीवुड, काम करने का तरीका यही है कि पहले छोटे-छोटे किरदार निभाए जाएं और अपनी प्रतिभा साबित की जाए। उन्होंने कहा, '' बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने के दौरान भी मैंने यही किया था... फिल्म जगत में ऐसे ही काम किया जाता है। मैं कड़ी मेहनत करने से नहीं कतराती। मैं दृढ़ता दिखाने से नहीं डरती... जब आप उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं और अपना काम देखते हैं तब आपको लगता है कि आपने फिर कर दिखाया। उन्होंने कहा कि वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं। शायद हॉलीवुड में मिली सफलता में ये अहम कारण है। अभिनेत्री ने कहा, '' मैं भारत से हूं और यहां मैं एक बड़ी कलाकार हूं और मेरे पास 20 लोगों की टीम है। मैं वहां (हॉलीवुड में) यह नहीं करती। मैं ऑडिशन देती हूं। मुझे कमरे में जाने और अपनी प्रतिभा दिखाने में कोई हिचक नहीं है। मैं काम से नहीं डरती। मैं अपने अहम या गरूर को खुद पर हावी नहीं होने देती।'' उन्होंने कहा, '' बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने के दौरान भी मैंने यही किया था... फिल्म जगत में ऐसे ही काम किया जाता है। मैं कड़ी मेहनत करने से नहीं कतराती। मैं दृढ़ता दिखाने से नहीं डरती... जब आप उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं और अपना काम देखते हैं तब आपको लगता है कि आपने फिर कर दिखाया। बता दें कि प्रियंका ओटीटी (ओवर द टॉप) मंच 'प्राइम वीडियो' के शो 'सिटाडेल' के अमेरिकी संस्करण के प्रीमियर के लिए भारत आईं थीं। प्रियंका के अलावा इसमें अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी मुख्य भूमिका में हैं। 'सिटाडेल' सीरीज के पहले दो धारावाहिक दुनियाभर में 28 अप्रैल को 'प्राइम वीडियो' पर 40 भाषाओं में प्रसारित किए जाएंगे। प्रियंका ने 2012 में बतौर गायिका हॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। अदाकारा के गीत 'इन माई सिटी' और 'एक्ज़ोटिक' को काफी सराहा गया था। अदाकारा बाद में 2015 में 'एबीसी' की ड्रामा सीरीज 'क्वांटिको' में भी नजर आईं। वह एक अमेरिकी नेटवर्क की सीरीज में काम करने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री थीं।

उस वक्त हर जुबान पर थे मुमताज-शम्मी कपूर के चर्चे

मुम्बई। बॉलीवुड में शम्मी कपूर बेहद रोमांटिक हीरो के रूप में स्थापित थे। उन्होंने मशहूर एक्ट्रेस गीता बाली से प्रेमविवाह किया था। हालांकि उनके पिता पृथ्वीराज कपूर और गीता बाली के परिजन इस शादी के खिलाफ थे, इसलिए दोनों ने चुपचाप मंदिर में फेरे ले लिए थे। शादी के बाद वह गीता बाली को सीधे घर ले गए और फिर दोनों के परिवार वालों ने इस शादी पर सहमति दे दी। शम्मी और गीता के दो बच्चे (एक बेटा और एक बेटी) हुए। शादी को अभी 10 साल ही हुए थे कि गीता को चेचक की बीमारी हो गई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। गीता की मौत के बाद शम्मी कपूर सदमे में डूब गए। उनके घर वाले चाहते थे कि वे दुबारा शादी कर लें क्योंकि उनके बच्चे काफी छोटे थे। शम्मी शूटिंग के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते थे और सभी का मानना था कि यदि उन्हें नई मां मिल जाएगी तो बच्चों का पालन-पोषण अच्छे से होगा। उन दिनों शम्मी मुमताज के साथ फिल्म ब्रह्मचारी की शूटिंग कर रहे थे। शम्मी कपूर ने शादी के प्रस्ताव के साथ रखी शर्त शम्मी कपूर ने शादी के प्रस्ताव के साथ रखी शर्त ब्रह्मचारी की शूटिंग के दौरान मुमताज ने शम्मी कपूर को बताया कि वह उन पर फिदा हैं। वह उनका पहला क्रश हैं। यह सुनकर शम्मी को अच्छा लगा और उनका झुकाव भी मुमताज की तरफ बढ़ता

चला गया। बॉलीवुड गलियारों में दोनों के प्यार के चर्चे हर जुबान पर थे। दोनों काफी नजदीक आ चुके थे। एक दिन शम्मी ने मुमताज के सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया और साथ ही यह भी फरमा दिया कि शादी के बाद वह फिल्मों में काम नहीं करेंगी, बल्कि घर पर रहकर उनके बच्चों की देखभाल करेंगी। मुमताज की उम्र उस समय 18 साल थी और वह बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। शम्मी के इस शर्तभरे प्रस्ताव को सुनकर वे सन्न रह गईं। शम्मी उनसे उम्र में लगभग बीस साल बड़े थे। उम्र का ये फासला और सामने लंबा कॅरियर। इस पर गौर कर मुमताज ने शम्?मी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। शम्मी का दिल टूट गया। इसके बाद उन्होंने किसी फिल्?मी हीरोइन से शादी ना करने की ठानी और नीला देवी से शादी कर ली।

जब पाकिस्तान से होने वाला था युद्ध तो फौज में शामिल हो गये थे महाभारत के शकुनी मामा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से देश में लॉकडाउन है ऐसे में दूरदर्शन ने चैनल पर मनोरंजन के लिए कई रामायण महाभारत सहित कई सारे पुराने धारावाहित शुरूकर दिए गये हैं। रामायण के बाद दूसरे नंबर पर महाभारत है जिसकी टीआरपी सबसे हाई है। इस समय रामायण महाभारत को दर्शक सबसे ज्यादा पसंग कर रहे हैं। इस लिए

शो की कास्ट एक बार फिर चर्चा में है। महाभारत के महत्वपूर्ण किरदार शकुनी मामा महाभारत की महत्वपूर्ण कड़ी थे। इस किरदार को एक्टर गूफी पैंटल ने निभाया था। गूफी पैंटल को इस किरदार के बाद शकुमा मामा के नाम ले ही लोकप्रियता मिली। गूफी पैंटल ने एक्टिंग के अलावा डायरेक्शन में भी आपना हाथ आजमाया है। गूफी पैंटल ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी जिंदगी का किस्सा सुनाया। ये किस्सा उसकी जिंदगी के वर्तनाम से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि मैं बचपन से ही फौज में जाना चाहता था। या फिर अगर फौज मे मौका नहीं मिला तो एक्टर बनना चाहता था। लेकिन हमारे जमाने में ऐसा हमारी नहीं चलती थी घरवाले जो कहते थे उसी को पढ़ना पड़ता था। घरवालों ने इंजीनियरिंग करने के लिए जमदेशपुर भेज दिया। उस वक्त हमारे देश के रिश्ते पड़ोसी देश से खराब चल रहे थे। देश नया-नया आजाद हुआ था तो बचपन से ही देशभक्ति की बाते ही बताई गयी थी। अंदर देशभक्ति काफी भरी हुई थी। पाकिस्तान से युद्ध की संभावना थी इस लिए सरकार ने कहा कि सरकार से आवाज आई कि जितने जवान लड़के हैं वो फौज में भर्ती हो जाएं। हम करीब 60 लड़के थे जो टेरिटोरियल आर्मी का हिस्सा बन गए और वहां हम आर्टिलरी की ट्रेनिंग ली। फौज में जाने का सपना तो पूरा होता दिख रहा था। इस दौरान कैंप में मेरे चाचा मुझे मिले वो वहां मेजर जनरल थे। बाद में वह लेफ्टिनेंट जनरल बने। उन्होंने मुझसे पूछा कि तुम फौज में आना चाहते थे तो बताया क्यों नहीं? गूफी ने कहा पिता ने इंजिनीयरिंग करने के लिए बोल दिया था। इस लिए वहां एडमिशन लिया।

राजकपूर को थप्पड़ के बाद मिली 'नीलकमल'

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा को एक से बढ़कर नायाब फिल्में देने वाले पहले शोमैन राज कपूर बचपन के दिनों से अभिनेता बनना चाहते थे और इसके लिए न सिर्फ क्लैपर बॉय बनना पड़ा, साथ ही केदार शर्मा का थप्पड भी खाना पड़ा था। 14 दिसंबर 1924 को पेशावर (अब पाकिस्तान) में जन्मे राजकपूर जब मैट्रिक की परीक्षा में एक विषय में फेल हो गए तब अपने पिता पृथ्वीराज कपूर से उन्होंने कहा कि मैं पढ़ना नही चाहता, मैं फिल्मों में काम करना चाहता हूं। मैं एक्टर बनना चाहता हूं। फिल्में बनाना चाहता हूं। राजकपूर की बात सुनकर पृथ्वीराज कपूर की आंख खुशी से चमक उठी।राजकपूर ने अपने सिने करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार वर्ष 1935 में प्रदर्शित फिल्म 'इंकलाब' से की। बतौर अभिनेता वर्ष 1947 में प्रदर्शित फिल्म 'नीलकमल' उनकी पहली फिल्म थी। राजकपूर का फिल्म 'नीलकमल' में काम करने का किस्सा काफी दिलचस्प है।पृथ्वीराज कपूर ने अपने पुत्र राज को केदार शर्मा की यूनिट मे क्लैपर बॉय के रूप में काम करने की सलाह दी। फिल्म की शूटिंग के समय वे अक्सर आइने के पास चले जाते थे और अपने बालों में कंघी करने लगते थे। क्लैप देते समय इस कोशिश में रहते कि किसी तरह उनका भी चेहरा कैमरे के सामने आ जाए।एक बार फिल्म 'विषकन्या' की शूटिंग के दौरान राजकपूर का चेहरा कैमरे के सामने आ गया और हड़बड़ाहट में चरित्र अभिनेता की दाढ़ी क्लैप बोर्ड मे उलझकर निकल गई, तो बताया जाता है कि केदार शर्मा ने राजकपूर को अपने पास बुलाकर जोर से थप्पड़ लगाया। हालांकि केदार शर्मा को इसका अफसोस रातभर रहा। अगले दिन उन्होंने अपनी नई फिल्म 'नीलकमल' के लिए राजकपूर को साइन कर लिया। राजकपूर फिल्मों में अभिनय के साथ ही कुछ और भी करना चाहते थे। वर्ष 1948 में आरके फिल्म्स की स्थापना कर 'आग' का निर्माण किया। वर्ष 1952 में प्रदर्शित फिल्म 'आवारा' राजकपूर के सिने करियर की अहम फिल्म साबित हुई। फिल्म की सफलता ने राजकपूर को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। फिल्म का शीर्षक गीत 'आवारा हूं या गर्दिश में आसमान का तारा हूं', देश-विदेश में बहुत लोकप्रिय हुआ। राजकपूर के सिने करियर में उनकी जोडी अभिनेत्री नरगिस के साथ काफी पसंद की गई। दोनों की जोड़ी सबसे पहले वर्ष 1948 में प्रदर्शित फिल्म 'बरसात' में नजर आई। इसके बाद 'अंदाज', 'जान-पहचान', 'आवारा', 'अनहोनी', 'आशियाना', 'अंबर', 'आह', 'धुन', 'पापी', 'श्री 420', 'जागते रहो' और 'चोरी-चोरी' जैसी कई फिल्मों में भी दोनों कलाकारों ने एकसाथ काम किया।'श्री 420' फिल्म में बारिश में एक छाते के नीचे फिल्माए 'गीत-प्यार हुआ इकरार हुआ' में नरगिस और राजकपूर के प्रेम-प्रसंग के अविस्मरणीय दृश्य को सिने दर्शक शायद ही कभी भूल पाएं। राज कपूर ने अपनी बनाई फिल्मों के जरिए कई छुपी हुई प्रतिभा को आगे बढ़ने का मौका दिया। इनमें संगीतकार शंकर-जयकिशन गीतकार

हसरत जयपुरी, शैलेन्द्र और पार्श्वगायक मुकेश जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वर्ष 1949 में राजकपूर की निर्मित फिल्म 'बरसात' के जरिए राजकपूर ने गीतकार के रूप में शैलेन्द्र, हसरत जयपुरी और संगीतकार के तौर पर शंकर-जयकिशन ने अपने करियर की शुरुआत की थी। वर्ष 1971 में राजकपूर ने फिल्म 'मेरा नाम जोकर' का निर्माण किया जो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह नकार दी गई। अपनी फिल्म 'मेरा नाम जोकर' की असफलता से राजकपूर को गहरा सदमा पहुंचा। उन्हें काफी आर्थिक क्षति भी हुई। उन्होंने निश्चय किया कि भविष्य में यदि वे फिल्म का निर्माण करेंगे तो मुख्य अभिनेता के रूप में काम नहीं करेंगे। मुकेश को यदि राजकपूर की आवाज कहा जाए तो इसमे कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। मुकेश ने राजकपूर अभिनीत सभी फिल्मों में उनके लिए पार्श्वगायनकिया। मुकेश के निधन के बाद राजकपूर ने कहा था कि लगता है मेरी आवाज ही चली गई है। वर्ष 1971 में राजकपूर पद्मभूषण पुरस्कार और वर्ष 1987 में हिन्दी फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फालके पुरस्कार से भी सम्मानित किए गए। बतौर अभिनेता उन्हें दो बार जबकि बतौर निर्देशक उन्हें चार बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1985 में राजकपूर निर्देशित अंतिम फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' प्रदर्शित हुई। इसके बाद राजकपूर अपने महत्वकांक्षी फिल्म 'हिना' के निर्माण में व्यस्त हो गए लेकिन उनका सपना साकार नहीं हुआ और दो जून 1988 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।

दोस्त कहते-कहते क्या हो गया है बिग बॉस के कूल बॉय पारस छाबड़ा को माहिरा से प्यार?

मुम्बई।बिग बॉस के सबसे धमाकेदार सीजन में से एक था। शो को लोगों ने इतना पसंद किया था कि इस सीजन को 5 हफ्तों के लिए आगे बढ़ा दिया गया था। तीन से चार महिनो के इस सीजन में बहुत सदस्यों का रिश्ता बना और बहुत से सदस्यों का रिश्ता टूटा। इस सीजन में जहां रश्मि देसाई और अरहान खान का रिश्ता खत्म हुआ वहीं पारस-माहिरा और सिद्धार्थ -शहानाज की दोस्ती दुनिया ने देखी। शो के दौरान पारस छाबड़ा और माहिरा के बीच दोस्ती से ज्यादा वाली फीलिंग सबने देखी लेकिन दोनों से कफी साफ तौर पर अपनी फीलिंग को स्वीकार नहीं किया। माहिरा शर्मा के साथ ही पारस शुरू से लेकर आखिरी तक साथ ही रहे। माहिरा के चक्कर में उन्होंने अपना गेम भी वीक किया। बिग बॉस खत्म हुआ ये सभी घर के बाहर निकले और अपनी-अपनी जिंदगी में व्यस्त हो गये। पारस माहिरा ने साथ में एक वीडियो एल्बम में काम किया, जिसमें साफ तौर पर

दोनों की लव केमिस्ट्री देखी जा सकती थी। अब पारस छावड़ा माहिरा को काफी मिस कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने महिरा से साथ अपनी बिग बॉस की जर्नी दिखाई है। पारस इस समय माहिरा को काफी मिस कर रहे हैं। इस वीडियो के जरिए पारस ने माहिरा शर्मा से अपने प्यार का भी इजहार किया है। आपको बता दें कि पारस जब बिग बॉस के घर में गये थे तो उनकी बाहर गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी थी। पारस ने शो में जाने के बाद आकांक्षा के साथ अपना रिश्ते को जबरदस्ती का रिश्ता बताया। उन्होंने ये भी कहा कि आकांक्षा ने जबरदस्ती उनके हाथ पर अपने नाम का टैटू करवाया। पारस ने कहा कि मैं इस रिश्ते में खुश नहीं हूं। शुरूआत में आकांक्षा ने बाहर कुछ इंटरव्यू दिए जिसमें उन्होंने कहा कि वो शो में बनें रहने के लिए ऐसा सब लव एंगल लेकर आ रहे हैं। शो में माहिरा के साथ पारस की बढ़ती नजदीकियों लतागार सुखिऱ्या बटोर रही थी।

राशिफल

कभी 10 लोगों के साथ चॉल में रहते थे मनोज बाजपेयी, अब जीते हैं बेहद लग्जरी लाइफ

मुम्बई। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर मनोज बाजपेयी किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। वह अपनी उम्दा एक्टिंग के जरिए लाखों दर्शकों के दिलों में राज करते हैं। आज यानि की 23 अप्रैल को मनोज अपना 54वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। बिहार में जन्मे मनोज बाजपेयी ने अपने कड़ी मेहनत और संघर्ष के दम पर बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। मनोज बाजपेयी की एक्टिंग के आज करोड़ो लोग फैन हैं। हिंदी सिनेमा में मनोज बाजपेयी ने कई सुपर हिट फिल्में दी हैं। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर मनोज बाजपेयी के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में... **जन्मः** बिहार के नरकटियागंज में 23 अप्रैल 1969 को मनोज बाजपेयी का जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम राधाकांत बाजपेयी था। मनोज बाजपेयी का नाम उनके माता-पिता ने अभिनेता मनोज कुमार के नाम पर रखा था। मनोज बचपन से ही एक्टर बनने का शौक रखते थे। इसलिए अपनी शुरूआती शिक्षा पूरी करने के बाद वह 17 साल की उम्र में दिल्ली पहुंच गए थे। यहां पर उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के लिए आवेदन किया। मनोज बाजपेयी ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से एक्टिंग के गुर सीखे हैं।

शादीः शायद यह बात बहुत कम लोगों को मालूम है कि मनोज बाजपेयी ने दो बार शादी की है। पहली बार मनोज की शादी दिल्ली की एक लड़की से हुई थी। हालांकि यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल सका और उनका तलाक हो गया। इसके बाद मनोज की जिंदगी में नेहा की एंट्री हुई। नेहा का असली नाम शबाना रजा है और वह मुस्लिम धर्म से थीं। कुछ दिनों तक रिश्ते में रहने का बाद उन्होंने शादी कर ली। नेहा के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1998 में फिल्म 'करीब' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। **करियरः** मनोज बाजपेयी के शुरूआती संघर्ष की बात करें तो उन्होंने अपनी जिंदगी में कई मुश्किल हालातों का सामना किया है। एक इंटरव्यू में मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया था कि वह आत्महत्या के काफी करीब पहुंच चुके थे। उस दौरान उन्हें एक वड़ा पाव भी खरीदना बहुत मुश्किल लगता था। लेकिन इस मुश्किल समय में उनके दोस्तों ने मनोज का साथ नहीं छोड़ा। अपने दोस्तों की मदद से मनोज ने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई।

मनोज ने साल 1994 में गोविन्द निल्हानी की फिल्म द्रोखाल से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह फिल्म बैंडिट क्वीन में नजर आये। लेकिन मनोज बाजपेयी को असली सफलता फिल्म 'शूल' से मिली। इसके बाद मनोज ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वह हिंदी सिनेमा में सर्वश्रेष्ठ एक्टर्स की लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए हैं। मनोज बाजपेयी अब तक कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। जिनमें सत्या, प्रेम कथा, कौन, शूल, फिजा, कलाकार, दाउद, दिल पे मत ले यार, पिंजर, एलओसी कारगिल, वीर-जारा आदि फिल्में शामिल हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी 'द फैमिली मैन' में नजर आए थे।

अवॉर्डः हिंदी सिनेमा के अलावा

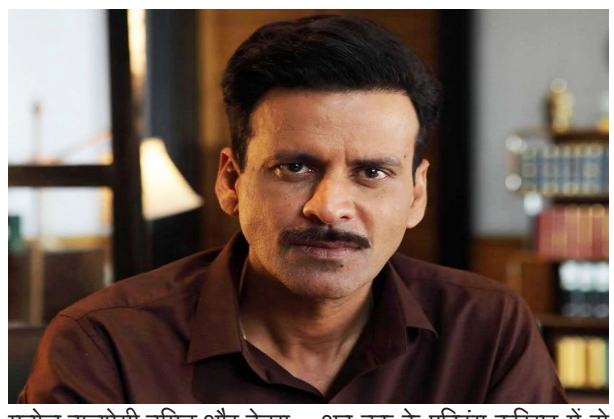

मनोज बाजपेयी तमिल और तेलगु फिल्मों में भी सक्रिय हैं। मनोज अब तक के एक्टिंग करियर में दो नेशनल फिल्म अवार्ड और चार फिल्म फेयर अवार्ड जीत चुके हैं। उनको फिल्म 'भोंसले' के लिए बतौर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के 67वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। **नेट वर्थः** कभी 10 लोगों के साथ चॉल में सोने वाले मनोज बाजपेयी की वर्तमान में करोड़ों की नेट वर्थ है। वह बेहद लग्जरी लाइफ जीते हैं। किसान परिवार से आने वाले मनोज बाजपेयी वर्तमान में 15 मिलियन डॉलर यानि की 118 करोड़ रुपए की नेट वर्थ है। इतना ही नहीं अभिनेता के पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं।

रामायण : दुनिया का पहला रैपर था रावण

नई दिल्ली। रावण भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने शिव के दर्शन के लिए बड़ी तपस्या की थी। इस दौरान रावन ने शिव तांडव का भी जाप किया था। टेलीविजन पर रामायण के टेलीकास्ट के दौरान रावण का वध हो गया है ऐसे में रावण के द्वारा पढ़ा गया शिव तांडव सोशल मीडिया पर काफी वायरस हो रहा है। रामायण को दूरदर्शन ने एक बार फिर टेलीकास्ट करके लोगों के सामने मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कहानी और उनकी वीरगाथा को दोहरा दिया। भगवान विष्णु ने धरती पर राक्षस को मारने के लिए श्री राम के रूप में मानव अवतार लिया था। श्री राम ने रावण का वध करके सच की जीत को अमर कर दिया। रावण भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने शिव के दर्शन के लिए बड़ी तपस्या की थी। इस दौरान रावन ने शिव तांडव का भी जाप किया था। टेलीविजन पर रामायण के टेलीकास्ट के दौरान रावण का वध हो गया है ऐसे में रावण के द्वारा पढ़ा गया शिव तांडव सोशल मीडिया पर काफी वायरस हो रहा है। रामायण से रावण की एक छोटी सी क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरस हो रही है जिसमें रावण शिव की आराधना करते हुए शिव तांडव का जाप कर रहा है। रावण की ये भक्त लोगों को खूब पसंद आ रही है। देखते-देखते ये क्लिप काफी शेयर की जा चुकी है। क्लिप में दिखाया गया है कि रावण शिवलिंग के सामने बैठा है। रावण के चेहरे पर उसका अभिमान साफ देखा जा सकता है। राक्षस होने के बावजूद रावण नारायण और शिव का बहुत बड़ा भक्त था।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।